देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित

www.page3news.in

नगर संस्करण वर्ष 19 अंक: 220 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...
सूचनाओं का बुना नैरेटिव

पेज थ्री

देहरादून, रविवार, 8 दिसंबर 2024

मौसम अधिकतम 19.0° न्यूनतम 09.0°

82924.41 | 2 सीरिया में असद की मुश्किल बढ़ी | 7 हेड ने भारत के खिलाफ फिर ठोका शतक

'इंडिया' को मैंने किया तैयारः ममता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

कोलकाता। बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने दावा किया कि विरोधी दलों के गठबंधन इंडिया को उन्होंने तैयार किया था और इसका दायित्व मिलने पर वे इसे बंगाल से चला सकती हैं। एक समाचार चैनल को दिए गए साक्षात्कार में मुख्यमंत्री ने कहा–अभी जो लोग इंडिया गठबंधन का नेतृत्व कर रहे हैं, वे इसे ठीक से चला नहीं पा रहे हैं। वे लोग मुझे पसंद नहीं करते, लेकिन मैं सभी राष्ट्रीय व क्षेत्रीय दलों के संपर्क में हूं और उन सबसे अच्छे संबंध बनाकर चलती हूं। ममता ने कहा, इंडिया का दायित्व मिलने पर मैं इसे बंगाल से भी चला सकती हूं। मैं बंगाल की मिट्टी छोड़कर कहीं नहीं जाना चाहती। मेरा जन्म बंगाल में हुआ है और मैं यहीं अंतिम सांस लूंगी। ममता बनर्जी ने हाल ही में कहा था कि इंडी गठबंधन में नेतृत्व पर चीजें साफ होनी चाहिए।

इंडी गठबंधन में एक बार फिर रार देखने को मिल रही है। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने हाल ही में कहा था कि इंडी गठबंधन को सही दिशा देने के लिए अच्छे नेतृत्व की जरूरत है। अब उन्हें उद्धव गुट का भी समर्थन मिल गया है। इस बयान पर भाजपा ने भी तंज कसा है।

शिवसेना–यूबीटी ने भी ममता का इशोरों–इशारों में समर्थन किया है। उद्धव गुट की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने ममता के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्होंने अपने मन की बात रखी है और इस पर आखिरी निर्णय वरिष्ठ नेता लेंगे। प्रियंका ने कहा कि ममता ने अपनी बात रखी है, क्योंकि उन्होंने पश्चिम बंगाल में एक सफल मॉडल पेश किया है। प्रियंका ने कहा कि ममता ने भाजपा को सत्ता से दूर रखा है और अच्छी कल्याणकारी योजनाएं लागू की हैं। उनके चुनावी अनुभव और फाइटिंग स्पिरिट के चलते उन्होंने अपनी इच्छा बताई है।

गौरतलब है कि राजनीतिक गलियारों में ऐसी चर्चा है कि राहुल गांधी इंडिया गठबंधन में अपने हिसाब से राजनीति करना चाहते हैं। साथ ही कांग्रेस और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की भी स्थिति इंडिया गठबंधन में कमजोर हुई है।

राहुल गांधी से दूरी बनाने लगे हैं इंडिया गठबंधन के साथी दल?

भाजपा ने कसा तंज

भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि इंडी गठबंधन के नेता खुद राहुल गांधी को नेतृत्व करने लायक नहीं मानते। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन के नेताओं में असमंजस की स्थिति है। उन्होंने कहा कि इस गठबंधन में हर कोई खुद को नेता मानता है।

ममता बुलाएंगी विशेष अधिवेशन

सूत्र दावा कर रहे हैं कि ममता तृणमूल में व्याप्त अंतर्द्वंद को देखते हुए जनवरी में पार्टी का विशेष अधिवेशन बुलाने की तैयारी कर रही हैं। इसमें पार्टी के समस्त सांसद, मंत्री–विधायक, नगर निकायों व पंचायतों के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। अधिवेशन में ममता अंतर्द्वंद पर लगाम कसने के लिए कई बड़े फैसले ले सकती हैं। बंगाल में 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए वर्षव्यापी कार्यसूची की भी घोषणा की जा सकती है। साथ ही पार्टी में बड़ा फेरबदल देखने को भी मिल सकता है।

मॉनसून सत्र से शीतकालीन सत्र आते ही सब कुछ बदल गया

लोकसभा चुनाव नतीजों के बाद मॉनसून सत्र में जहां पूरा विपक्ष एकजुट दिखाई दे रहा था वही शीतकालीन सत्र आते मानो विपक्षी एकता की गर्माहट गायब हो गई। पहले हरियाणा और फिर महाराष्ट्र में हार के बाद कांग्रेस पर सबसे बड़ा अटैक टीएमसी की ओर से किया जाता है। टीएमसी की ओर से कहा गया कि अब वक्त आ गया कि ममता बनर्जी को इंडिया गठबंधन की अगुवाई करनी चाहिए। इतना ही नहीं अडानी मुद्दे पर जहां कांग्रेस ने मोर्चा खोला तो वहीं टीएमसी पीछे हटते हुए दिखी। कांग्रेस को टीएमसी का बिल्कुल भी साथ नहीं मिला। सपा के साथ ही इंडिया गठबंधन के कुछ और साथी भी कांग्रेस का बिना नाम लिए सवाल उठा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

गरीब और मध्यम वर्ग की मेहनत की कमाई को लूटा जा रहाः राहुल गांधी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। केंद्र सरकार जीएसटी स्लैब बढ़ाने की तैयारी कर रही है? कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कुछ ऐसे ही संकेत देकर सरकार पर हमला बोला। एक्स पर पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा कि पूंजीपतियों को छूट और आम लोगों से लूट का एक और उदाहरण देखिए। एक तरफ कॉरपोरेट टैक्स के मुकाबले इनकम टैक्स लगातार बढ़ रहा है। दूसरी तरफ मोदी सरकार गब्बर सिंह टैक्स से और ज्यादा वसूली की तैयारी कर रही है।

किसान प्रतिनिधियों की वित्त मंत्री के साथ हुई बैठक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को बजट से पहले होने वाली बैठकों के क्रम में किसान प्रतिनिधियों और कृषि हितधारकों के साथ बैठक की। किसानों ने सरकार से सस्ता दीर्घकालिक ऋण उपलब्ध कराने, टैक्स कम करने और पीएम–किसान आय सहायता को दोगुना करने का आग्रह किया।

फील्ड के अधिकारी बढाएं जनमानस से संवादः डीएम

डीएम का तीन माह में यह पांचवां शिविर, जनमानस से किया सीधे संवाद

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल की अध्यक्षता में इन्टर कॉलेज थानों में आयोजित बहुदेशीय शिविर का आयोजन किया। शिविर में विधायक डोईवाला बृजभूषण गेरोला द्वारा बतौर विशेष अतिथि प्रतिभाग किया। शिविर का शुभारम्भ दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर में स्थानीय लोगों द्वारा जिलाधिकारी का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टाल का निरीक्षण किया।

जिलाधिकारी का तीन माह के भीतर दूरस्थ क्षेत्रों में शिविर आयोजित कर जनमानस की समस्या का निस्तारण करने का कार्य लगातार गतिमान है। तीन माह में यह 05 शिविर है जहां उनके द्वारा सीधे जनमानस से संवाद कर उनकी समस्याओं का निस्तारण किया जा रहा है, तथा यह प्रक्रिया निरंतर जारी है।

जिलाधिकारी ने कहा कि जनमानस को सुगमता प्रदान करना हमारा पहला दायित्व है, इसी परिपेक्ष्य बहुउद्देशीय शिविर आयोजित करते हुए जनमानस से सीधे संवाद करना तथा विकास योजनाको धरातल लाने में आ रही कठिनाइयों का निराकरण करना है। शिविर में अधिकतर शिकायतों मौके पर निस्तारित कर ली जाती हैं तथा कई शिकायत शासन तथा भारत सरकार स्तर से निस्तारण की होती हैं, जिन पर समय लगता है ऐसी शिकायतों को प्राथमिकता से निस्तारण हेतु सम्बन्धित स्तर पर भेजा जाता है।

अधिकारियों से पूछा कितने समय में करोगे निस्तारण

जिलाधिकारी ने शिकायतों के निस्तारण के लिए अधिकारियों से ही पूछा कितने समय में करोगे निस्तारण, अधिकारियों द्वारा बताए गए समय 15 दिन देते हुए कहा कि समयावधि का रखें ख्याल। जनकल्याणकारी योजनाओं के ओवदन की प्रक्रिया मौके पर ही पूर्ण करवाई, मौके पर ही जारी हुए जाति, आय, चरित्र प्रमाण पत्र, यूआईडी पंजीकरण मौके पर ही प्रक्रिया पूरी करवाई कार्यालयों के लाभार्थियों को कार्यालयों के चक्कर नही लगाने पडेंगें। कृषि उपकरण की मरम्मत को नहीं भटकेंगे किसान, जिला योजना से मैकेनिक की व्यवस्था करने की स्वीकृति।

हमारे स्थानीय उत्पादों की मांग पूरे देश और दुनिया में

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को जनपद रुद्रप्रयाग के भ्रमण के दौरान ओंकारेश्वर मंदिर, ऊखीमठ में पूजा अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में आयोजित पाण्डव नृत्य में हुए शामिल होकर राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विकास के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु समेकित प्रयासों पर बल दिया।

मुख्यमंत्री ने आशा नौटियाल को उप चुनाव में विजय बनाने पर जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केदारनाथ क्षेत्र के विभिन्न विकास कार्यों को आगे बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि ऊखीमठ क्षेत्र के लिए की कई घोषणाएं भी की गई हैं, जिन्हें जल्द धरातल पर उतारा जाएगा। केदार घाटी में आई आपदा के बाद अनेक निर्माण कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई है। इस वर्ष जुलाई में आई आपदा के दौरान वे सभी लोगों के साथ स्वयं जनता के बीच में मौजूद रहे। आपदा के बाद दूसरे चरण की यात्रा को भी जल्दी शुरू किया गया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रूद्रप्रयाग जनपद को आदर्श जनपद के रूप में पहचान मीले, इसके लिए राज्य सरकार प्रयासरत है। उन्होंने कहा केदार घाटी में महिलाएं निरंतर नवाचार को बढ़ावा दे रही हैं। आज हमारे स्थानीय उत्पादों की मांग पूरे देश और दुनिया में हो रही है।

निर्देश

■मुख्यमंत्री ने की ओंकारेश्वर मंदिर, ऊखीमठ में पूजा अर्चना

चारधाम यात्रा को बढ़ावा देने के दिशा निर्देश

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा सभी सम्बन्धित अधिकारियों को शीतकालीन चारधाम यात्रा को बढ़ावा देने के मकसद से दिशा निर्देश जारी किए जा रहे हैं। शीतकालीन यात्रा को लेकर भी सारी व्यवस्थाएं दुरुस्त की जा रही है।

आप अपना काम ठीक से कीजिए, नहीं तो...

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

■दिल्ली में कानून व्यवस्था पर सीएम आतिशी का केंद्र को चेतावनी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने राजधानी में बिगड़ते कानून व्यवस्था पर केंद्र सरकार को आड़े हाथ लिया है। आतिशी ने कहा कि आज कोई भी अपने घर से बाहर निकलने में सुरक्षित महसूस नहीं करता है। दिल्ली में केंद्र सरकार की एक ही जिम्मेदारी है कि कानून व्यवस्था बनाए रखना। इसमें भी वह विफल रही है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि यह वही इलाका है जहां 2 हफ्ते पहले 100–200 मीटर की दूरी पर एक ऑन–ड्यूटी कांस्टेबल की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। आज वही दिन है जब शाहदरा इलाके में सुबह की सैर पर निकले एक शख्स को गोली मार दी गई। मैं जानना चाहती हूं कि केंद्र सरकार क्या कर रही है? दिल्ली में भाजपा शासित केंद्र सरकार की एक ही जिम्मेदारी है कि दिल्ली में कानून व्यवस्था बनाए रखना। दिल्ली के लोगों को सुरक्षा देना। इस काम में वो पूरी तरह से फेल हो गए हैं। भाजपा शासित केंद्र सरकार ने दिल्ली में कानून व्यवस्था को पूरी तरह से खत्म कर दिया है।

न्यूज डायरी

ईरान सीरिया से निकाल रहा है अपने सैनिक, भागे ईरानी सेना के दो कमांडर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दमिश्क। सीरिया में विद्रोहियों जैसे–जैसे बड़े शहरों की तरफ बढ़ रहे हैं, ईरान की चिंता भी बढ़ रही है। ईरान तेजी से अपने कर्मचारियों और कुद्स फोर्स के सैन्य अधिकारियों को सीरिया से निकाल रहा है। ईरानी सरकार जल्दी से जल्दी अपनी उपस्थिति सीरिया से कम करने की कोशिश में लगी है। अमेरिकी अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स ने सीरिया और ईरानी अधिकारियों के हवाले से की गई रिपोर्ट में ये दावा किया है। यह सब सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल असद की सेना और विद्रोहियों के बीच भीषण लड़ाई के बीच हो रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरानी अधिकारियों ने बताया कि कुद्स फोर्स के दो शीर्ष जनरल सीरिया छोड़कर इराक भाग गए हैं। ईरान अपने राजनयिक कर्मचारियों, उनके परिवारों और नागरिकों को भी सीरिया से निकाल रहा है। दमिश्क स्थित दूतावास के आदेश पर ईरानी नागरिक सीरिया से निकल रहे हैं। कुछ लोग तेहरान के लिए विमानों से रवाना हुए जबकि कुछ लोग सीरियाई बंदरगाह लताकिया की ओर गए। सीरिया में असद सरकार को ईरान का समर्थन मिलता रहा है लेकिन विद्रोहियों के बढ़ते प्रभाव के कारण ईरान अपने लोगों को वहां से निकाल रहा है। इससे लगता है कि ईरान के लिए सीरिया में स्थिति मुश्किल हो रही है। रिपोर्ट में ईरानी विश्लेषक मेहदी रहमती के हवाले से कहा गया है कि सीरियाई सेना लड़ना नहीं चाहती। ईरान भी लड़ाई में शामिल नहीं होना चाहता, जबकि पहले उसने असद को सैन्य सहायता दी थी। रहमती का मानना है कि सीरिया को संभालना ईरान के लिए मुश्किल है।

रूस भारत को नहीं दे पा रहा 2 बचे हुए एस–400 एयर डिफेंस सिस्टम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मास्को। रूस भारत का सबसे बड़ा हथियार निर्यातक देश है। भारत रूस से दशकों से मिसाइल, फाइटर जेट से लेकर राइफल तक खरीद रहा है। रूस ने कई मौकों पर भारत की तत्काल मदद की है और रूसी हथियारों की मदद से भारत को विजय हासिल करने में आसानी हुई है। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से अब हालात बदलते दिख रहे हैं। रूस जहां भारत को 2 बचे हुए एस–400 एयर डिफेंस सिस्टम नहीं दे पा रहा है, वहीं पहले खरीदे गए बेहद अहम हथियारों के कलपुर्जे भी नहीं मिल रहे हैं। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह अगले सप्ताह रूस की यात्रा पर जा रहे हैं जहां पर गाइडेड मिसाइल स्टील्थ फ्रीगेट आईएनएस तुशील को भारतीय नौसेना में शामिल किया जाएगा। राजनाथ सिंह 10 दिसंबर को अपने रूसी समकक्ष एंद्रे बेलोउसोव से मुलाकात करेंगे। इस दौरान रूसी राष्ट्रपति पुतिन की इस साल होने वाली भारत यात्रा पर भी चर्चा होगी। पुतिन करीब 3 साल के अंतराल के बाद भारत आने वाले हैं। इन दौरे पर सबसे ज्यादा फोकस रूस से भारत को समय पर हथियारों की सप्लाई पर रहेगा। भारत रूस से लगातार 2 बचे हुए एस 400 मिसाइल सिस्टम मांग रहा है लेकिन पुतिन अभी भी आनाकानी कर रहे हैं।

पाकिस्तान में धार्मिक आधार पर अल्पसंख्यक अहमदिया समुदाय का उत्पीड़न जारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लाहौर। पाकिस्तान में धार्मिक आधार पर अल्पसंख्यक अहमदिया समुदाय का उत्पीड़न जारी है। समुदाय के धार्मिक स्थलों की मीनारें गिराने की घटनाएं जारी रहने के बीच पंजाब प्रांत के रावलपिंडी में एक व्यापारी 40 वर्षीय तैयब अहमद की कुल्हाड़ी से सिर्फ इसलिए हत्या कर दी गई, क्योंकि वह अहमदिया समुदाय से था। हमला करने से पहले हमलावर ने कहा कि तुम कादियानियों (अहमदिया) को इस स्थान से भागने के लिए पहले ही कह दिया था। कुल्हाड़ी से वार होने के बाद बुरी तरह घायल तैयब को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। हमले के समय तैयब अपने भाई की दुकान पर था। उसके भाई ताहिर कमर ने बताया कि कुछ दिन पहले कट्टरपंथियों के एक समूह ने उसकी दुकान पर पथराव किया था और अहमदी होने के कारण स्थान छोड़ने की चेतावनी दी थी। पुलिस ने कहा कि प्रारंभिक जांच से यही पता चला है कि अहमदिया होने के कारण तैयब की हत्या की गई है। तैयब के परिवार को संदेह है कि इस हमले के पीछे कट्टरपंथी इस्लामी संगठन तहरीक–ए–लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) का हाथ है। टीएलपी ने पूरे देश में अहमदी समुदाय के विरुद्ध अभियान चला रखा है। टीएलपी मस्जिद की तर्ज पर बने उनके धार्मिक स्थलों की मीनारें गिरा देता है।

सीरिया में असद की मुश्किल बढ़ी, कुर्दों ने भी शहर छीना

भारत ने अपने नागरिकों की यात्रा को लेकर जारी की एडवाइजरी

रिपोर्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

सीरिया। सीरिया में बशर अल–असद सरकार को शुक्रवार को एक और बड़ा झटका लगा। अरब समर्थित विद्रोहियों के दो शहरों पर कब्जे के बाद अमेरिका समर्थित कुर्द विद्रोहियों ने सीरिया के पूर्वी शहर दीर अल–जोर पर कब्जा कर लिया है। कुर्दों द्वारा कब्जा किया गया यह पूर्वी भाग का सबसे बड़ा शहर है। कुर्द अब इराक सीमा पर बसे शहर अल्बुकमल पर कब्जे के लिए बढ़ रहे हैं।

इस बीच राष्ट्रपति असद को मुश्किल में देख ईरान ने मिसाइल, ड्रोन और अन्य हथियार सीरिया भेजे हैं। साथ ही कई सैन्य सलाहकार और अधिकारी भी सीरिया भेजे हैं। ईरान खुफिया सूचनाएं और उपग्रहों से लिए जा रहे फोटो भी सीरिया की सेना को मुहैया करा रहा है। लेबनान के सशस्त्र संगठन हिजबुल्ला ने भी सीरिया में सैन्य मदद भेजी है। हफ्ते भर में अलेप्पो और हामा शहरों के हाथ से निकलने और उसके बाद विद्रोहियों के होम्स शहर के लिए कूच करने से असद सरकार की मुश्किल बढ़ गई है।

विद्रोहियों का अगर होम्स पर कब्जा हो गया तो दमिश्क का कई शहरों से सड़क संपर्क कट जाएगा। इससे उन इलाकों के भी हाथ से निकलने का खतरा बढ़ जाएगा। इसी इलाके में रूस की सेना और नौसेना के ठिकाने भी हैं। वैसे रूस ने विद्रोहियों को रोकने के लिए होम्स के रास्ते में पड़ने वाला पुल बमबारी कर बुरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया है।

विद्रोहियों के कूच की सूचना मिलने के बाद होम्स शहर के हजारों लोग घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों के लिए रवाना हो गए हैं। 13 वर्षों से अशांति झेल रहे सीरिया में कुछ अरब देशों, अमेरिका और इजरायल समर्थित सशस्त्र गुटों ने असद के खिलाफ अभियान छेड़ रखा है। जबकि असद के समर्थन में रूस, ईरान और हिजबुल्ला खड़े रहे हैं। लेकिन यूक्रेन युद्ध और हिजबुल्ला पर इजरायली कार्रवाई ने असद के समर्थन को कमजोर किया है।

इसी मौके का फायदा उठाकर विद्रोहियों ने हफ्ते भर में बड़ा उलटफेर कर दिया है। असद की स्थिति कमजोर पड़ती देख रूस ने अपने नागरिकों को सीरिया छोड़ने के लिए कहा है। पूर्व में अल कायदा से जुड़े संगठन हयात तहरीर अल–शाम ने अबू मुहम्मद अल–गोलानी के नेतृत्व में सीरिया पर 27 नवंबर पर हमले शुरू किए हैं। जार्डन ने असद के समर्थन का एलान किया है और सीरिया से लगने वाली सीमा बंद कर दी है। इससे पहले विद्रोही गुट के लड़ाकों ने सीमा पर फायोरग की थी। लेबनान ने भी सीरिया से लगने वाली सीमा पर सेना तैनात कर दी है। सीरिया में बिगड़ती स्थिति के बारे में चिंतित, भारत सरकार ने सभी भारतीय नागरिकों को अगली सूचना तक सीरिया की यात्रा से पूरी तरह से बचने के लिए देर रात एक सलाह दी।

सीरिया में खतरे में पुतिन के सैन्य ठिकाने

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज दमिश्क। सीरिया में बशर अल–असद सरकार को मुश्किल में देख ईरान और हिजबुल्ला ने उसकी मदद बढ़ा दी है। ईरान ने मिसाइल, ड्रोन और अन्य हथियार सीरिया भेजे हैं। साथ ही कई सैन्य सलाहकार और अधिकारी भी सीरिया भेजे हैं। ईरान खुफिया सूचनाएं और उपग्रहों से लिए जा रहे फोटो भी सीरिया की सेना को मुहैया करा रहा है।

लेबनान के सशस्त्र संगठन हिजबुल्ला ने भी सीरिया में सैन्य मदद भेजी है। हफ्ते भर में अलेप्पो और हामा शहरों के हाथ से निकलने और उसके बाद विद्रोहियों के होम्स शहर के लिए कूच करने से असद सरकार की मुश्किल बढ़ गई है।

विद्रोहियों का अगर होम्स पर कब्जा हो गया तो दमिश्क का कई शहरों से सड़क संपर्क कट जाएगा। इससे उन इलाकों के भी हाथ से निकलने का खतरा बढ़ जाएगा। इसी इलाके में रूस की सेना और नौसेना के ठिकाने भी हैं। वैसे रूस ने विद्रोहियों को रोकने के लिए होम्स के रास्ते में पड़ने वाला पुल बमबारी कर बुरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया है।

विद्रोहियों के कूच की सूचना मिलने के बाद होम्स शहर के हजारों लोग घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों के लिए रवाना हो गए हैं।

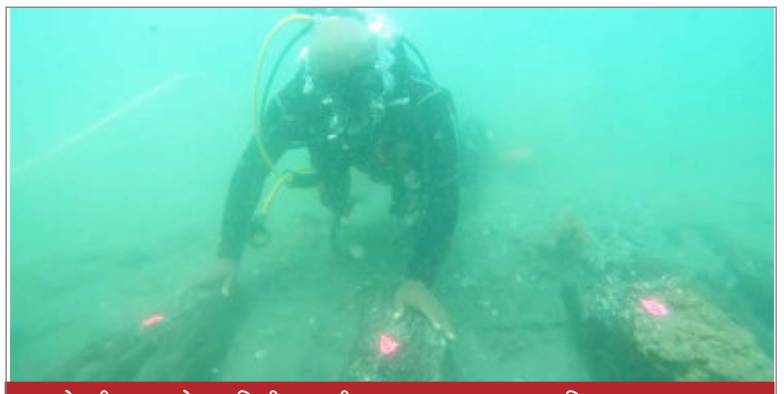

वास्को डीगामा के आखिरी समुद्री सफर वाला जहाज मिला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लिस्बन। पुर्तगाल के मशहूर खोजी यात्री वास्को डी गामा के उस जहाज का मलबा मिल गया है, जिससे उन्होंने अपना आखिरी समुद्री सफर किया था। वास्को के आखिरी सफर वाले जहाज का मलबा केन्या में मिला है। यह हिंद महासागर में मिले सबसे पुराने जहाजों के मलबे में से एक है। शोधकर्ताओं का मानना है कि यही वह जहाज है, जो वास्को डी गामा को उसकी आखिरी यात्रा पर हिंद महासागर में ले गया था। पुर्तगाली नाविक वास्को डी गामा भारत आने वाले पहले यूरोपीय थे। मेरीनइनसाइट की रिपोर्ट के मुताबिक, जहाज का मलबा 2013 में केन्या के तट से 500 मीटर दूर कोरल रीफ पर पाया गया था। यह 500 साल पहले डूब गया था। इस मलबे ने लगातार एक्सपर्ट का ध्यान खींचा है। अब इस पर दावा किया गया है कि यह वास्को डी गामा का जहाज साओ जॉर्ज हो सकता है।

चीन संग हुए बीआरआई डील से भारत को डरना नहीं चाहिए

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

विवादित बीआरआई डील कर ज्ञान देने लगे नेपाली नेता

काठमांडू। नेपाल में सत्तारूढ़ नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के नेता एवं पूर्व उपप्रधानमंत्री रघुबीर महासेठ ने कहा कि भारत को नेपाल और चीन द्वारा हस्ताक्षरित 'बेल्ट एंड रोड' समझौते पर आपत्ति नहीं जतानी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि इस संपर्क परियोजना से नयी दिल्ली को भी लाभ हो सकता है।

नेपाल और चीन के बीच कई अरब डॉलर के 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' समझौते पर बुधवार को हस्ताक्षर किए गए, जिससे दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त हो गया। इस समझौते पर नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की चीन की आधिकारिक यात्रा के दौरान हस्ताक्षर किये गए।

बीआरआई एक बड़ी संपर्क परियोजना है, जो चीन को दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य एशिया, रूस और यूरोप से जोड़ती है। महासेठ ने यहां 'प्रधानमंत्री ओली की चीन यात्रा के बाद बीआरआई का कार्यान्वयन' शीर्षक वाले संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, श्भारत को नेपाल द्वारा चीन के साथ बीआरआई सहयोग रूपरेखा समझौते पर हस्ताक्षर करने पर आपत्ति नहीं जतानी चाहिए क्योंकि इससे भारत को भी लाभ होगा। पूर्व उपप्रधानमंत्री ने कहा, अगर नेपाल और चीन को जोड़ने के लिए रेलवे व सड़क जैसे बुनियादी ढांचे का निर्माण किया जाता है तो इसका उपयोग भारत द्वारा भी किया जा सकता है। इसलिए भारत को इस तरह के समझौते से डरने की कोई जरूरत नहीं है। महासेठ ने कहा कि अगर नेपाल अपने हितों को ध्यान में रखते हुए चीन से ऋण लेता है तो भी किसी को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। नेपाल अपने क्षेत्र में दोनों पड़ोसियों भारत और चीन के खिलाफ गतिविधियों की अनुमति नहीं देगा।

उल्लेखनीय है कि भारत ने बीआरआई पर आपत्ति जताई है और इस परियोजना के विरोध में दृढ़ता से खड़ा रहा है। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की इस परियोजना का उद्देश्य बुनियादी ढांचे से जुड़ी परियोजनाओं में निवेश के जरिए चीन के वैश्विक प्रभाव को बढ़ाना है।

मार्शल लॉ के लिए दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ने मांगी माफी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल ने देश में मॉर्शल लॉ लगाने के लिए माफी मांग ली है। शनिवार को टेलीविजन पर प्रसारित एक संबोधन में उन्होंने कहा कि यह निर्णय हताशा में लिया गया था। हालांकि उन्होंने अपने पद से इस्तीफा नहीं दिया है। योल की ये माफी ऐसे वक्त में सामने आई है, जब दक्षिण कोरिया में उनके खिलाफ महाभियोग चलाने के प्रस्ताव पर कुछ ही घंटों में वोटिंग होनी है। मॉर्शल लॉ के खिलाफ राष्ट्रपति योल की ही पार्टी में विरोध के सुर भी उठने लगे थे। योल ने कहा कि वह मार्शल लॉ लगाने के फैसले की कानूनी या राजनीतिक जिम्मेदारी से पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा, श्मैं माफी मांगता हूं कि मेरे फैसले से लोगों को परेशान होना पड़ा। मैं भविष्य में राजनीतिक स्थिरता पर फैसला लेने का निर्णय अपनी पार्टी पर छोड़ता हूं।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

सैन्य बाहुल्य गांव सवाड में शुरू हुआ तीन दिवसीय अमर शहीद सैनिक मेला

घोषणा

सवाड़ में सैनिक म्यूजियम के लिए सांसद निधि से 10 लाख देने की घोषणा की

संवाददाता

चमोली। देवाल ब्लाक के दूरस्थ सैनिक बाहुल्य गांव सवाड़ में शहीद सैनिकों की स्मृति और सम्मान में आयोजित तीन दिवसीय 17वॉ अमर शहीद सैनिक मेले का शनिवार को आगाज हो गया है। गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी ने मेले का शुभारंभ करते हुए क्षेत्रवासियों को शुभकामनाऐं दी। उन्होंने सवाड़ स्थित शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र एवं श्रद्वासुमन अपिर्त करते हुए वीर भूमि के अमर शहीदों को नमन किया। इस दौरान गढ़वाल सांसद ने सवाड़ गांव में सैनिक म्यूजियम के लिए 10 लाख देने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि जल्द ही सवाड़ में केन्द्रीय विद्यालय के प्रस्ताव को स्वीकृत कराया जाएगा। मेला समिति एवं क्षेत्रीय जनता ने परमपरागत बाधयत्रों के साथ गढ़वाल सांसद का भव्य स्वागत किया करते हुए उनका आभार व्यक्त किया।

सैन्य बाहुल्य गांव सवाड से 22 सैनिकों ने प्रथम विश्व युद्ध में भाग लिया था। जबकि 38 सैनिकों ने द्वितीय विश्व युद्ध, 14 सैनिकों ने पेशावर कांड तथा 17 सैनिक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी है। सवाड गांव से 1971 बांग्लादेश युद्ध में 28 सैनिकों, ऑपरेशन व्यूल स्टार में 15 सैनिकों ने भाग लिया था। वीर भूमि सवाड़ से वर्तमान में भारतीय सेना में 128 सैनिक सेवारत है।

शहीद सैनिक मेले में जनता को संबोधित करते हुए गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी ने कहा कि सीमांत क्षेत्र में सुविधाओं को बेहतर करने का सरकार द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है। अमर शहीदों को नमन करते हुए सांसद ने कहा कि उनकी सरकार ने सैनिकों का हमेशा सम्मान किया है।

राज्य सरकार ने भी शहीद सैनिक परिवार के एक व्यक्ति को सरकारी सेवा अवसर दिया जा रहा है। इस दौरान सांसद ने 18 स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की स्मृति में 14 लाख लागत से निर्मित स्मारक का अनावरण भी किया। सांसद ने कहा कि मैं सैन्य बाहुल्य गांव में आकर अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। उन्होंने सवाड़ गांव में जल्द ही केन्द्रीय विद्यालय के प्रस्ताव को पास कराने का आश्वासन भी दिया।

थराली विधायक भूपाल राम टम्टा ने क्षेत्र की समस्या से अवगत कराते हुए कहा कि देवाल ब्लाक में पर्यटन की अपार संभावनाएं है। उन्होंने सांसद से क्षेत्र में पर्यटन सुविधाओं को विकसित करने की मांग की। विधायक ने सवाड मेले के सफल संचालन के लिए 02 लाख रुपए देने की घोषणा की।

इस अवसर पर थराली विधायक भूपाल टम्टा, भाजपा जिला अध्यक्ष रमेश मैखुरी जिला पंचायत सदस्य आशा धपोला, मेलाध्यक्ष आलम सिंह, संयोजक दयाल सिंह, उप जिलाधिकारी कमलेश मेहता एवं अन्य जनप्रतिनिधियों सहित बडी संख्या में मेलार्थी मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

जिला रेडक्रॉस सोसायटी की प्रबंध कार्यकारिणी का 21 दिसंबर को होगा गठन

संवाददाता चमोली। भारतीय रेडक्रॉस समिति की चमोली शाखा की आम बैठक 21 दिसंबर को जिला मुख्यालय मे जिला अधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न होगी। वार्षिक आम सभा की बैठक में चमोली जिला शाखा के सभी आजीवन सदस्य प्रतिभाग करेंगे। बैठक में जिला शाखा की नई प्रबंधकारिणी समिति का गठन भी किया जाएगा। जिला शाखा के सचिव डीएस बिष्ट ने बताया कि इस समय जिला शाखा के एक हजार से अधिक सदस्य हैं। उन्होंने सभी सदस्यों से अनुरोध किया किया कि समिति के प्रेसिडेंट जिलाधिकारी की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में समिति के सभी सदस्यों को भाग लेना है। उन्होंने सदस्यों से अनुरोध किया है कि समय निकाल कर सभी सदस्य बैठक में सम्मिलित होकर रेडक्रॉस आंदोलन को आगे बढ़ाने में मदद करें। पूर्व में पांच दिसंबर को बैठक आहुत की गई थी लेकिन सदस्यों की कम संख्या और समय पर सूचना न मिल पाने के कारण पांच दिसम्बर की बैठक को स्थगित करते हुए जिला अधिकारी संदीप तिवारी ने पुनः 21 दिसम्बर को बैठक की तिथि निर्धारित की है।

सांसद अनिल बलूनी ने थराली में जनता दरबार लगाकर सुनी जन समस्याए

संवाददाता चमोली। गढवाल सांसद श्री अनिल बलूनी ने शनिवार को थराली ब्लाक सभागार में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक लेते हुए केंद्र पोषित योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने सभी अधिकारियों को आपसी सामंजस्य और तालमेल बनाकर गुणवत्ता के साथ संचालित योजनाओं को पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिले में केन्द्र पोषित योजनाओं की प्रगति संतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने आपसी समन्वय से विकास कार्यो में तेजी लाने के निर्देश दिए। हर गांव एवं तोक में प्रत्येक घर को पानी पहुंचाने का काम किया जाए। बैठक के बाद गढ़वाल सांसद ने जनता दरबार लगाकर आम लोगों की समस्याएं सुनी और अधिकारियों को जन समस्याओं का प्राथमिकता पर समाधान करने के निर्देश दिए।

एनएसडीसी इंटरनेशनल और सोम्पो केयर ने की साझेदारी

संवाददाता देहरादून। एनएसडीसी इंटरनेशनल और सोम्पो केयर इंक ने भारत में क्वालिटी केयरगिवर्स के लिए एक स्थायी ट्रेनिंग देने और अंतरराष्ट्रीय अवसरों की सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से एक साझेदारी की है। इस साझेदारी के तहत, एनएसडीसी इंटरनेशनल ग्रेटर नोएडा ट्रेनिंग सेन्टर में एक अत्याधुनिक ट्रेनिंग लैब स्थापित की गई है। इस लैब को प्रैक्टिकल केयरगिवर्स स्किल और जापानी भाषा के एजुकेशल प्रोग्राम्स को बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है।

सीएम घोषणाओं के कार्यों में गुणवत्ता का रखा जाय विशेष ध्यान

संवाददाता अल्मोड़ा। जनपद में मुख्यमंत्री घोषणाओं में विभागों द्वारा किए गए अद्यतन कार्यों की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडेय की अध्यक्षता में नवीन कलेक्ट्रेट में आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने समस्त घोषणाओं में किए गए कार्यों को जानकारी विभागीय अधिकारियों से प्राप्त कर कार्यों को समयबद्धता के साथ करने के निर्देश दिये।

बैठक में जिलाधिकारी ने सभी कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारियो को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री घोषणाओं के कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाय साथ ही जो समय अवधि निर्धारित की गयी है उसी के अन्तर्गत सभी विकास कार्य किये जाय, इस कार्य में किसी प्रकार कि लापरवाही न बरती जाए। कहा कि कार्य ऐसे किए जाएं कि 15–20 वर्षों तक उनमें कोई भी कार्य कराने की आवश्यकता न पड़े। उन्होंने कहा कि सभी विभाग इस बात का विशेष ध्यान रखें कि किए गए कार्य की प्रगति रिपोर्ट और व्यय ध नराशि रिपोर्ट जिलाधिकारी कार्यालय को समय से भेजी जाए। उन्होंने कहा कि जिन विभागों में मुख्यमंत्री घोषणाएं शासन स्तर पर लंबित है उन घोषणाओं के लिए शासन को समय–समय पर पत्राचार किया जाय।

जिलाधिकारी ने कहा कि होने वाले नवीन कार्यों का फील्ड विजिट कर तथा स्टीमेट बनाकर टेंडर प्रक्रिया को करना सुनिश्चित करें साथ जो कार्य पूर्ण हो चुके है उन कार्यों का उपयोगिता प्रमाण पत्र सम्बन्धित विभाग को समय से भेजना सुनिश्चित किया जाय।

उत्तरकाशी पुलिस ने 80 बाहरी व्यक्तियों का किया सत्यापन

संवाददाता उत्तरकाशी। बाहरी राज्यों से आये व्यक्तियों के चलते प्रदेश में आपराधिक गतिविधियों के बढ़ते मामलों को देखते हुए उत्तराखंड पुलिस द्वारा अलग अलग जनपदों में लगातार अभियान चलाया जा रहा है। जिस क्रम में आज शनिवार को कोतवाली उत्तरकाशी पुलिस द्वारा उत्तरकाशी,जोशियाड़ा एवं ज्ञानसू क्षेत्र में सत्यापन अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस टीम द्वारा गैर प्रान्तों से आए बाहरी व्यक्तियों ध्मजदूरों फड़–फेरी, रेड़ीध्ठेले लगाने वाले 80 व्यक्तियों किरायेदारों का मौके पर ही सत्यापन प्रपत्र भरकर जांच हेतु भेजे गये। पुलिस टीम द्वारा इस दौरान किरायेदारों का सत्यापन न करवाने वाले 5 मकान मालिकों के विरुद्ध पुलिस एक्ट में कार्यवाही की। उत्तरकाशी पुलिस द्वारा क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वह अपने घरो, दुकानों व प्रतिष्ठानो में कार्य करने वाले बाहरी राज्यों के व्यक्तियों का सत्यापन अवश्य करवाये व पुलिस का सहयोग करें।

टीबी के खात्मे को नि–क्षय शिविर अभियान शुरू, टीबी मुक्त भारत की दिलाई शपथ

संवाददाता

रुद्रप्रयाग। क्षय रोग के खात्मे के लिए स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में 100 दिन तक चलने वाले नि–क्षय शिविर अभियान का रुद्रप्रयाग विधायक श्री भरत सिंह चौधरी द्वारा शुभारंभ किया गया। उन्होंने नि–क्षय शिविर अभियान रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

माधवाश्रम चिकित्सालय में आयोजित कार्यक्रम में विधायक भरत सिंह चौधरी ने 100 दिवसीय नि–क्षय शिविर अभियान का शुभारंभ करते हुए समस्त कार्मिकों को क्षय उन्मूलन की शपथ दिलाई। उन्होंने आह्वान किया कि टीबी उन्मूलन के लिए जनभागीदारी के अभियान में सक्रियता से जुड़कर टीबी रोगियों की सहायता का संकल्प लें। साथ ही क्षय रोग अनुभाग की टीम को फेफड़ों की टीबी के अलावा अन्य प्रकार की टीबी रोग एवं टीबी संक्रमण के उन्मूलन को लेकर भी विशेष प्रयास करने की अपील की। रामकृष्ण मिशन, विवेकानंद नेत्रालय के स्वामी सोमापानंद महाराज ने जनपद में टीबी रोग उन्मूलन की दिशा में चल रहे अभियानों में पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर उनकी संस्था की ओर से एक नि–क्षय मित्र के रूप में 05 क्षय रोगियों को पोषाहार वितरित किया गया।

विधायक भरत सिंह चौधरी ने किया शुभारंभ, नि–क्षय शिविर रथ को किया रवाना

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राम प्रकाश ने नि–क्षय शिविर अभियान के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि अभियान के तहत टीबी रोग को लेकर संवदेनशील आबादी (पूर्व टीबी से पीड़ित मरीजों, टीबी रोगियों के घरेलू संपर्कजनों, 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के व्यक्तियों, कुपोषित, धूम्रपान करने वाले व्यक्ति मधुमेह से पीडित व्यक्तियों) में नि–क्षय शिविर आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि टीबी रोगियों को खोजने के प्रयास तेज करने सहित टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत दी जा रही सेवाओं की पहुंच में और अधिक सुधार किया जाएगा। बताया कि इसके तहत जनपद की सभी निर्माण साइट, हॉस्टल में भी यह अभियान चलाया जाएगा। टीबी केसों की खोज के तहत स्क्रीनिंग, एक्सरे एवं बलगम जांच की जाएगी।

कोचिंग क्लास को जा रहे बच्चों को हाथी दिखने से मचा हड़कंप

संवाददाता हरिद्वार। मिस्सरपुर की आवासीय कालोनी शिव विहार में शनिवार सुबह उस समय हाथियों का झुंड आ धमका, जब बच्चे कोचिंग क्लास के लिए जा रहे थे। इससे अफरातफरी मच गई। कालोनी के लोग बच्चों के साथ घरों में कैद हो गए। कुछ युवाओं ने हाथियों का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। कनखल क्षेत्र के मिस्सरपुर गांव आवासीय कॉलोनी के लोग जंगली हाथियों से परेशान हैं। आए दिन जंगली हाथी रिहायशी कॉलोनियों में खुलेआम घूम रहे हैं। हाथियों की दहशत के चलते कालोनीवासियों को घरों के बाहर निकलना भी मुश्किल हो रहा है। हाथी बच्चों को भी दौड़ा रहे हैं। कभी भी हाथियों से बड़ी दुर्घटना घट सकती है।

आपत्ति का गलत आधार

देश की संसद को इस तरह के संशोधन करने का पूरा अधिकार है। लेकिन चूंकि ये शब्द संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा हैं, इसलिए इन्हें प्रस्तावना से हटाने की कोई भी कोशिश असंवैधानिक मानी जाएगी।

अनुज श्रीवास्तव।।

संविधान की प्रस्तावना के दो शब्दों धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी दृ को लेकर करीब आधी सदी से जारी बहस पर सुप्रीम कोर्ट ने एक तरह से पूर्णविराम लगा दिया। सर्वोच्च अदालत ने इससे जुड़ी याचिका को खारिज करते हुए दो बातें बिल्कुल साफ कर दीं। एक तो यह कि संविधान की प्रस्तावना में इन दो शब्दों को जोड़ना गलत नहीं था और दूसरी यह कि एक और संविधान संशोधन के जरिए इन शब्दों को प्रस्तावना से हटाने की कोई गुंजाइश नहीं रह गई है। इस क्रम में अदालत ने बहस के कई अहम पहलुओं पर रोशनी डाली, जिससे फैसले की सार्थकता और बहस की निरर्थकता दोनों स्पष्ट होती है। जैसा कि इस मामले में अदालत में दायर याचिका से भी स्पष्ट है, संविधान की प्रस्तावना में इन दो शब्दों को जोड़े जाने के लिए किए गए संशोधन को दो मुख्य आधारों पर गलत बताने की कोशिश की जाती रही थी। एक तो यह कि 1976 में यह संशोधन तब किया गया, जब लोकसभा का नियमित कार्यकाल समाप्त हो चुका था। दूसरी बात यह कि संविधान निर्माता इन दो शब्दों को जोड़े जाने के प्रस्ताव पर विचार करने के बाद उसे नामंजूर कर चुके थे। सुप्रीम कोर्ट ने इन दोनों आधारों को खारिज कर दिया।

फैसले ने इस तथ्य की ओर फिर से ध्यान खींचा कि प्रस्तावना में सेकुलर शब्द जोड़े जाने से पहले भी संविधान का ढांचा सेकुलर ही था। समय–समय पर अलग–अलग मामलों में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के फैसलों से भी इस बात की तस्दीक होती रही है। जहां तक ये दो शब्द जोड़े जाने का सवाल है तो सुप्रीम कोर्ट के मुताबिक देश की संसद को इस तरह के संशोधन करने का पूरा अधिकार है। लेकिन चूंकि ये शब्द संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा हैं, इसलिए इन्हें प्रस्तावना से हटाने की कोई भी कोशिश असंवैधानिक मानी जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने रेखांकित किया है कि चाहे धर्मनिरपेक्ष हो या समाजवादी, ये शब्द हमारे संविधान की प्रगतिशीलता को बनाए रखने में सहायक हैं। जहां धर्मनिरपेक्षता नागरिकों की समानता और धार्मिक स्वतंत्रता जैसे मूल अधिकारों को सुनिश्चित करती है, वहीं समाजवाद के प्रति निष्ठा राज्य के कल्याणकारी स्वरूप को बनाए रखने में मदद करती है। ये शब्द नीति निर्देशक तत्वों में दिए गए समान आचार संहिता जैसे लक्ष्यों की ओर बढ़ने में भी किसी तरह की बाधा खड़ी नहीं करते।

कुल मिलाकर, सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले ने स्पष्ट कर दिया है कि धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद जैसे शब्दों और मूल्यों से पीछा छुड़ाने की हाल के वर्षों में तेज हुई प्रवृत्ति को स्वस्थ और प्रगतिशील नहीं माना जा सकता। बेहतर होगा, ऐसी प्रवृत्तियों को बढ़ावा न दिया जाए।

महंगे सामान

धर्म-दर्शन

अशोक वोहरा। लेकिन उनकी पत्नी को हीरा मोती देखना बहुत जरूरी हो गया था क्योंकि उन्हें यकीन नहीं हो रहा था। जैसे ही ब्राह्मण किसी काम से बाहर घूमने के लिए जाता है वैसे ही उसे पत्नी रुमाल को खोलकर देखने का प्रयास करती है। जैसे वह उस रुमाल को खोलती है और देखती है तो वह आश्चर्यचकित रह जाती है क्योंकि उसने बहुत सारे हीरे मोती इत्यादि इत्यादि महंगे महंगे सामान थे। ब्राह्मण ने तालाब के किनारे से बहुत सारी पत्थर तथा वहां पड़े पत्थर के टुकड़े को उठा लिया था और अपने रुमाल में बांध लिया था। लेकिन घर आने के बाद वह पत्थर हीरा मोती तथा कीमती सामान कीमती सामान में बदल गया था। जैसे ही ब्राहमण घर आता है उसकी पत्नी कहती है कि इस रुमाल में तो बहुत सारे हीरे मोती हैं आपने कौन सी ने किया उनके पास भेजती है जो आपको इतना सारा हीरा मोती मिला है। **...शेष कल**

संपादकीय

टूल नहीं, एजेंट

पिछली सारी टेक्नॉलजी एक टूल थी, जिसका इस्तेमाल हमने अपनी मर्जी से किया। एआई टूल नहीं, एजेंट है। यह निर्णय लेता है। धरती पर पहली बार हमें बहुत ही समझदार एजेंट से लड़ना पड़ रहा है और ये हर जगह मौजूद हैं। यह बात भी ध्यान में रखने वाली है कि आज का एआई बहुत ही प्रारंभिक स्तर का है। जिस तरह इंसानों का विकास हुआ, वैसे इसका भी होगा। लेकिन, ऑर्गेनिक इवॉल्यूशन में करोड़ों–अरबों साल लगे, जबकि डिजिटल इवॉल्यूशन महज 20 बरसों में हो सकता है। अगर चैटजीबीटी अमीबा है, तो सोचिए कि एआई का डायनासोर रूप कैसा होगा! एआई खुद सुधार करने का मैकेनिज्म नहीं है। इंसानों की तरह यह भी गलती कर सकता है। तो कभी न कभी यह कोई भयानक गलती करेगा और उसे सुधारने वाला कोई नहीं होगा। यहां याद रखना होगा कि मानव इतिहास में एक तानाशाह को अपवाद स्वरूप ही लोकतांत्रिक क्रांति से खतरा पैदा हुआ।

इन जीवों में अरबों कोशिकाएं नर्वस सिस्टम या हार्मोंस और बायोकेमिकल्स द्वारा ट्रांसफर की जाने वाली सूचनाओं से जुड़ीं। शरीर में कई इंफॉर्मेशन नेटवर्क होते हैं।

सूचनाओं का बना नैरेटिव

नोआ हरारी।।

इतिहासकार और लेखक युवाल नोआ हरारी ने अपनी नई किताब में बात की है इंफॉर्मेशन पर, जिसके जरिये यह दुनिया चल रही है। इंसानों में मिलजुल कर काम करने की प्रवृत्ति होती है, लेकिन इसके लिए जरूरी है कि बहुत से लोग नियम–कायदे, कानून, मूल्यों और कार्य योजना पर सहमत हों। अब इतने सारे लोगों को एक नेटवर्क से कैसे जोड़ा जाए? तो जवाब है सूचना के जरिये, खासतौर पर मिथकों, कथाओं और कहानियों के माध्यम से। इंसान कहानियां गढ़ने वाला प्राणी है। हम इसकी तुलना इंसानी शरीर से कर सकते हैं। पहले केवल एक कोशकीय जीव थे। फिर करोड़ों–अरबों साल में बहुकोशकीय जीवों का विकास हुआ। इन जीवों में अरबों कोशिकाएं नर्वस सिस्टम या हार्मोंस और बायोकेमिकल्स द्वारा ट्रांसफर की जाने वाली सूचनाओं से जुड़ीं। शरीर में कई इंफॉर्मेशन नेटवर्क होते हैं। यही बात किसी देश, सेना, संगठन या चर्च के लिए भी सही है। धर्म का उदाहरण लीजिए तो पिछले दो हजार बरसों में जीसस क्राइस्ट की अनगिनत तस्वीरें बनाई गईं और इनसे अनगिनत लोग जुड़े, प्रभावित हुए। यहां चर्चों के नेटवर्क ने एक नर्व सेंटर की तरह काम किया।

लोगों को लगता है कि सूचना का मतलब है सच। अगर सूचना ही सत्य है, तो किसी के पास जितनी ज्यादा सूचना होगी, उतना ही ज्यादा ज्ञान होगा। लेकिन, दुनिया में सारी सूचनाएं सही नहीं होतीं। ज्यादातर सूचनाएं काल्पनिक, झूठी और गढ़ी गई हैं।

सच्चाई को स्वीकारना बहुत तकलीफदेह और मुश्किल होता है। यह बात व्यक्तिगत स्तर के साथ–साथ सभ्यताओं और मुल्कों पर भी लागू होती है। अगर इस्राइल में कोई राजनेता फलस्तीन के साथ चल रहे विवाद का पूरा सच जनता को बताता है, तो वह कभी चुनाव नहीं जीत सकता। जनता सच नहीं सुनना चाहती, न उसे स्वीकार करना चाहती है। यहां सूचनाओं के बीच जंग चल रही है। इसमें एक तरफ महंगी, जटिल और नीरस इंफॉर्मेशन है, जबकि दूसरी तरफ सीधी, सरल और खुश करने वाली इंफॉर्मेशन। बताने की जरूरत नहीं कि कौन जीतेगा। अगर दुनिया को केवल सूचनाओं से भर दिया जाए, तो सच को हारना ही है। सच को जिताने के लिए कुछ प्रयास करने होंगे, जैसे ऐसे संगठन गठित करना जो सच्चाई बाहर लाने के लिए मेहनत करें।

कहानियां जोड़ती हैं, लेकिन तोड़ भी सकती हैं। आज के दौर में नैरेटिव की लड़ाई सबसे ज्यादा शक्तिशाली है। यह पूरे नेटवर्क को बिखेर सकती है। सूचनाओं का एक और दोहरा चरित्र यह है कि इनसे पावर सेंटर जुड़ा होता है। कई तरह के इंफॉर्मेशन नेटवर्क बनाए जा सकते हैं। आप देखेंगे कि इतिहास के ज्यादातर युद्ध इंफॉर्मेशन नेटवर्क के अलग–अलग मॉडल के चलते हुए। इसका सबसे सही उदाहरण है लोकतंत्र और तानाशाही के बीच संघर्ष। तानाशाही एक सेंट्रलाइज्ड इंफॉर्मेशन सेंटर है। वहीं, डेमोक्रेसी एक डिस्ट्रिब्यूटेड इंफॉर्मेशन सेंटर। 20वीं सदी का अंत इस धारणा के साथ हुआ कि लोकतंत्र ने जीत हासिल की है और तानाशाही से लोकतंत्र अधिक प्रभावी है। गलतियों को सुधारने का कोई तंत्र नहीं होता। यही सोवियत संघ में हुआ। दूसरी ओर, पश्चिम ज्यादा सफल रहा, क्योंकि वहा इंफॉर्मेशन सिस्टम बंटा हुआ था। सारे फैसले एक ही जगह से नहीं हो रहे थे। अगर किसी ने गलती की, तो उसे हटाया जा सकता था।

सूडोकु बवाल- 5346

*****

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु बवाल -5345 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

अपना ब्लॉग

राष्ट्रवाद और देशप्रेम नकारात्मक नहीं

मोहन। आधुनिक समाज में लोकतंत्र के लिए देशप्रेम और राष्ट्रवाद की जरूरत होती है। लेफ्ट के लोग खासतौर पर इसे गलत रूप में लेते हैं। उन्हें लगता है कि राष्ट्रवाद और देशप्रेम नकारात्मक शक्तियां हैं और दुनिया इनके बिना खूबसूरत होगी। लेकिन, ऐसा नहीं है। अगर आप देशभक्त हैं, तो इसका यह मतलब नहीं कि किसी से नफरत करें। जब इंसानों पर सूचनाओं का ढेर लादा जाता है, तो वह उसे संभाल नहीं पाता। एआई के लिए सूचनाएं खुराक हैं, उसे बेहतर बनाती हैं। 20वीं सदी में केंद्र में इंसान थे, इसलिए असफलता मिली। हो सकता है, अब केंद्र में एआई के होने से सफलता मिल जाए। उसे सबसे ज्यादा खतरा रहा अपने किसी अधीनस्थ से, जो उससे भी ज्यादा ताकतवर होकर उसके काबू से बाहर हो गया। आज एक तानाशाह को एआई से डरना चाहिए। इस विचार को समझने का सबसे सरल तरीका नैतिक नहीं, बल्कि सूचना के दृष्टिकोण से है। तब यह तर्क दिया गया था कि जब एक बड़े देश, जैसे सोवियत संघ की सारी जानकारी केंद्रित है, तो यह बहुत ही अप्रभावी हो जाती है। इंसान के पास इतनी जानकारी को प्रॉसेस करने की क्षमता नहीं। तब गलतियां होती हैं, खासकर आर्थिक फैसलों में।

2025 में रिलीज होगी फिल्म तारे जमीन पर की सीक्वल

लापता लेडीज को लेकर ऑस्कर की तैयारी कर रहे आमिर खान ने हाल ही में अपनी अगली फिल्म श्सितारे जमीन परश के बारे में एक अपडेट दिया है। फिल्म पहले दिसंबर 2024 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब आमिर ने शेयर किया है कि फिल्म 2025 के मिड में रिलीज होगी। उन्होंने अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में भी बात की और शेयर किया कि उनकी अगली फिल्म में वो खुद एक्टिंग करते दिखेंगे। जेद्दाह में रेड सी फिल्म फेस्टिवल में डेडलाइन से बात करते हुए आमिर ने सितारे जमीन पर के बारे में बात की और कहा, हम इस महीने के अंत में पोस्ट प्रोडक्शन के लिए आ रहे हैं। हम अगले साल के मिड में फिल्म रिलीज करने के लिए तैयार होंगे। जहां आमिर ने इस फिल्म को 2007 की फिल्म तारे जमीन पर का सीक्वल बताया, वहीं उन्होंने कहा कि फिल्म में वही किरदार नहीं होंगे। उन्होंने कहा, यह नए कैरेक्टर्स लेकर आएगा, पूरी तरह से ताजा कहानी। यह तारे जमीन पर का अगला पार्ट है। आमिर ने अपने बैनर तले अगले प्रोजेक्ट्स पर भी बात की। उन्होंने डायरेक्टर राजकुमार संतोषी और सनी देओल के साथ लाहौर 1947 बनाने के बारे में बात की। उन्होंने यह भी कहा कि वह अपने बेटे जुनैद खान की आगामी फिल्म भी बना रहे हैं, जिसमें साई पल्लवी भी हैं। फिल्म का नाम एक दिन है।

दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट के लिए हैं बेताब, दिल लुमिनाटी टूर से धमाल मचा रहे

दिलजीत दोसांझ देश के सबसे बड़े गायकों में शुमार हैं जिनके कॉन्सर्ट की दीवानगी का कोई जवाब नहीं है। अक्टूबर महीने से दिलजीत अपने दिल–लुमिनाटी कॉन्सर्ट के लिए लाइमलाइट बटोर रहे हैं। दिल्ली और लखनऊ जैसे शहरों के बाद देश के टेक कैपिटल बेंगलुरु में दिलजीत परफॉर्म करने जा रहे हैं। बंगलुरु में रहने वाले फैंस दिलजीत के इस कॉन्सर्ट का बेताबी के साथ इंतजार कर रहे हैं। बेंगलुरु में दिलजीत दोसांझ का कॉन्सर्ट है। दिल्ली से लखनऊ तक दिलजीत के कॉन्सर्ट के चलते ट्रैफिक ने सिर दर्द कर दिया था। ऐसे में बेंगलुरु में वैसे हालात न बने, इसलिए ट्रैफिक पुलिस ने कॉन्सर्ट में जाने वाले हजारों फैंस को एक सलाह दी है। ट्रैफिक पुलिस ने एक स्टेटमेंट जारी करते हुए लिखा है, शाम 06:00 बजे बेंगलुरु इंटरनेशनल एक्जीबिशन सेंटर, मदवारा, तुमकुर रोड में सारेगामा इंडिया लिमिटेड द्वारा आयोजित दिल–लुमिनाती म्यूजिक इवेंट में हजारों लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। चूंकि यह वीकेंड है, इसलिए तुमकुर रोड पर हैवी ट्रैफिक की उम्मीद है।

पंकज कपूर की सहज पके सो मीठा होय ये सलाह आएगी बहुत काम

पंकज कपूर ने कहा कि इंस्टाग्राम के दौर में सभी फॉलोअर्स बढ़ाकर जल्दी से पॉपुलर होना चाहते हैं, लेकिन 'सहज पके सो मीठा होय' पर भरोसा करते हुए उन्हें खुद को तराशने पर काम करना चाहिए। तभी आप लंबे समय तक टिके रह सकते हैं। जल्दी मिली सफलता आपके हाथ से जल्दी ही फिसल भी जाएगी। पंकज कपूर हिंदी सिनेमा के वह अभिनेता हैं, जिन्होंने कई ऐसी फिल्म दर्शकों को दी हैं, जिन्हें वह एक बार नहीं, कई बार टेलीविजन पर देख सकते हैं। इस प्रतिष्ठित फेस्टिवल में शामिल हुए अभिनेता ने सामने बैठे फैंस का हौसला बढाते हुए कहा, आप सिर्फ फिल्मी जगत नहीं बल्कि किसी भी क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं तो पहले तालीम जरूर लें। टैलेंट एक नदी की तरह होता है। नदी में ज्यादा बहाव होता है तो बाढ़ आ सकती है, लेकिन अगर इसके किनारे पर बांध लगा दिया जाए तो ऊर्जा पैदा होती है। इसी तरह आप ज्यादा टैलेंटेड हैं तो प्रशिक्षण लेकर ही अपनी ऊर्जा को चैनलाइज कर सकते हैं। फिल्म मकबूल में अपने किरदार पर बातचीत करते हुए पंकज कपूर ने कहा, मेरे लिए ये किरदार चुनौती भरा था इसलिए मैंने स्वीकार किया। फिल्म की शूटिंग सबसे मुश्किल सीन के साथ शुरू हुई और पहले ही शॉट के बाद निर्देशक विशाल भारद्वाज ने मुझे गले से लगा लिया।

7 साल बाद फिर प्रेग्नेंट हैं एंबर हर्ड बिना शादी के बनेंगी मां?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

जॉनी डेप से तलाक के बाद एम्बर हर्ड लाइफ का एक नया चौप्टर शुरू करने के लिए तैयार हैं। एक्ट्रेस दूसरी बार मां बनने वाली हैं। एक्ट्रेस अभी अपनी प्रेग्नेंसी के पहले फेज में हैं। एम्बर इससे पहले साल 2021 में मां बनी थीं। उनकी एक बेटी है जिसका नाम Oonagh Paige है। उनके पहले बच्चे का जन्म सरोगेसी से हुआ था।

दोबारा प्रेग्नेंट हैं एंबर हर्ड

रिपोर्ट के मुताबिक एक्ट्रेस अपने और बेटी के लिए बहुत खुश हैं जोकि बहुत जल्द बिग सिस्टर बनने वाली हैं। जॉनी डेप से तलाक के बाद वो स्पेन में अपने पहले बच्चे के साथ रह रही हैं। एम्बर हर्ड के रिप्रेजेंटेटिव ने पीपल मैगजीन से बातचीत में कहा, प्रेग्नेंसी की बस शुरुआत है। इसलिए हम अभी ज्यादा जानकारी शेयर नहीं करना चाहते हैं। एंबर अपने और पहले बच्चे के लिए खुश हैं।

तीन साल पहले हुआ था बेटी का जन्म

जॉनी डेप से तलाक के बाद जुलाई 2021 में एंबर हर्ड ने इंस्टाग्राम पर अपने बच्चे के आने की खुशी शेयर की थी। उन्होंने एक फोटो शेयर की थी जिसमें वो अपने बेबी को गले लगाती हुई नजर आ रही थीं। इस पोस्ट को शेयर करते हुए एंबर ने लिखा,श्चार साल पहले मैंने फैसला किया कि मैं एक बच्चा चाहती हूं। मैं इसे अपनी शर्तों पर करना चाहती थी। अब मैं समझती हूं कि महिलाओं के लिए इस तरह से अपने भाग्य के सबसे बुनियादी हिस्सों में से एक के बारे में सोचा कितना

क्रांतिकारी है। मैं ये सोच रही हूं कि पता नहीं हम कब उस प्वाइंट पर पहुंचेंगे जब शादी करना भी जरूरी नहीं होगा।

एक ही साल में हुआ दोनों का तलाक

एम्बर हर्ड ने जॉनी डेप से तलाक के लिए अर्जी 23 मई, 2016 को दाखिल की थी। इस अर्जी में एम्बर ने डेप पर शारीरिक शोषण का आरोप लगाया था। हर्ड ने कहा था कि डेप ने उनके साथ शारीरिक दुर्व्यवहार किया था। साल 2017 में दोनों के बीच तलाक की प्रक्रिया पूरी हुई। इसके बाद डेप ने अपनी पूर्व पत्नी के खिलाफ पांच करोड़ डॉलर का सार्वजनिक मानहानि का मुकदमा किया। दोनों के बीच लंबी कानूनी लड़ाई चली और एंबर ये केस हार गईं।

ममता कुलकर्णी ने कहा– मैं अभी तक सिंगल हूं

सलमान खान से लेकर सुनील शेट्टी जैसे सितारों की हिरोइन रह चुकीं 90 के दशक की एक्ट्रेस ममता कुलकर्णी ने कहा है कि वह अब भी सिंगल ही हैं। ममता करीब 25 साल बाद भारत लौट आई हैं। उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि ड्रग माफिया विक्की गोस्वामी उनके हसबैंड नहीं हैं।

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में 1990 के दशक की जानी–मानी एक्ट्रेस ममता कुलकर्णी एक बार फिर से चर्चा में हैं। आखिरकार 25 साल बाद भारत लौट आई हैं। उन्होंने ये भी बताया कि वो वापस भारत क्यों आई हैं। उन्होंने अपने हालिया इंटरव्यू में इंटरनैशनल ड्रग माफिया विक्की गोस्वामी के साथ अपने रिलेशनशिप को लेकर भी बड़ा खुलासा किया। ऐसी चर्चा थी कि ममता ने विक्की से शादी कर ली है, लेकिन अब एक्ट्रेस ने अपना रिलेशनशिप स्टेटस साफ कर दिया है। उन्होंने बताया है कि वो अभी भी सिंगल हैं।

मैंने विक्की से शादी नहीं की है, वह मेरे पति नहीं हैं

एक्ट्रेस ने कहा, श्मैंने विक्की से शादी नहीं की है, वह मेरे पति नहीं हैं। मैं अभी भी सिंगल हूं। मैंने किसी से शादी नहीं की है। विक्की और मेरे बीच रिलेशनशिप रहा है, लेकिन मैंने उन्हें 4 साल पहले ब्लॉक कर दिया था। उन्होंने आगे कहा, विक्की एक अच्छे इंसान हैं, उनका दिल अच्छा है। फिल्म इंडस्ट्री से हर कोई उनसे मिलने आता था, इसलिए मैं भी उनसे मिलने गई थी।

मैं फिल्म इंडस्ट्री से विक्की से मिलने वाली आखिरी शख्स

ममता ने अपनी बात बढ़ाते हुए आगे कहा, लेकिन मैं फिल्म इंडस्ट्री से विक्की से मिलने वाली आखिरी शख्स भी थी। जब मुझे उसकी सच्चाई के बारे में पता लगी तो मैंने उसे छोड़ दिया। वह दुबई जेल में था। मैंने उसे जेल से बाहर निकालने की कोशिश शुरू कर दी थी। विक्की 2012 में जेल से बाहर आया। मैं उससे 2016 में मिली। उसके बाद उसे फिर से गिरफ्तार कर लिया गया। वह अब मेरा अतीत बन चुका है। मैंने उसे छोड़ चुकी हूं।

दुबई की जेल में उनसे मिलने जाती थीं ममता

बता दें कि ममता कुलकर्णी का नाम विकी गोस्वामी के साथ तब जुड़ा जब वह 2000 के दशक की शुरुआत में दुबई की जेल में उनसे मिलने जाती थीं। साल 2016 में एक्ट्रेस पर विकी के साथ 2000 करोड़ रुपये के इंटरनैशनल ड्रग रैकेट को मेथामफेटामाइन के अवैध निर्माण के लिए इफेड्रिन की सप्लाई करने का आरोप उनपर लगा था।

संतरा खाने से कम नहीं होता, बल्कि चढ़ता है बुखार

फलों को खाने से पहले यह जान लें कि वह किस काम आता है। क्योंकि कई बार गलत स्थिति में गलत फल खाने से नुकसान ज्यादा हो सकता है। फल खाने से जुड़े ऐसे ही 5 मिथकों के बारे में आयुर्वेदा डॉक्टर ने जानकारी दी है।

रोजाना फल खाने चाहिए। एक्सपर्ट कहते हैं कि आपको एक कटोरी फलों का सेवन हर दिन करना चाहिए। इससे वेट लॉस में मदद मिलती है। यह शरीर को कई सारे जरूरी विटामिन–मिनरल्स देते हैं। साथ ही इनका हाइड्रेशन और नेचुरल शुगर एनर्जी देता है। लेकिन फलों के बारे में कई सारे झूठ फैले हुए हैं। आयुर्वेद की एक्सपर्ट डॉ. रेखा राधामोनी ने फलों से जुड़े कुछ मिथकों को तोड़ा है। जैसे कुछ लोगों को लगता है कि संतरा खाने से बुखार कम होता है लेकिन यह गलत है।

संतरा से जुड़ा मिथक

लोग कहते हैं कि संतरा खाने से बुखार कम होता है। क्योंकि इसमें विटामिन सी की मात्रा होती है, जो बीमारी को कम करती है। लेकिन असलियत में इसकी तासीर पित्त बढ़ाने वाली होती है, जो कि बुखार बढ़ाने के लिए जानी जाती है।

तरबूज से जुड़ा मिथक

तरबूज गर्मी का फल है, जिसमें काफी सारा पानी होता है। लोगों को लगता है कि यह जल्दी पच जाता है और पेट के लिए हल्का होता है। जबकि असलियत में यह हैवी फूड है जिसे पचाने में टाइम लगता है।

आंवला से जुड़ा मिथक

आंवला खट्टा होता है और इसमें नेचुरल डाइटरी एसिड होता है। इस वजह से लोगों को लगता है कि इसे खाने से एसिडिटी बढ़ती है। लेकिन सच यह है कि यह एसिडिटी की समस्या से राहत दिलाता है।

आम से जुड़ा मिथक

यह काफी बड़ा झूठ है कि आम की तासीर गर्म होती है। इसे खाने से शरीर में गर्मी बढ़ती है। लेकिन आयुर्वेदिक डॉक्टर का कहना है कि आयुर्वेद में इसे पेट के लिए ठंडा माना जाता है।

अनार है बेस्ट फ्रूट

अगर आप अनार से जुड़ा कुछ भी गलत सुनते हैं तो उसके झूठ होने की काफी संभावना है। डॉक्टर ने इसे आयुर्वेद का सबसे फेवरेट फल बताया है। जो शरीर के सारे दोष को बैलेंस करता है और बुखार कम करने के उपाय के रूप में जाना जाता है।

डायबिटीज है तो भूलकर भी न खाएं केला, आधे–अधूरे दावा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

डायबिटीज के मरीजों को अक्सर ही फलों से दूरी बनाने की सलाह दी जाती है। ऐसा ही कुछ केले के मामले में भी माना जाता है। इस मीठे फल के लिए यह भी कहा जाता है कि डायबिटीज मरीज के लिए यह फल हेल्थ से जुड़ी बड़ी मुसीबतों को न्योता दे सकता है। एक वीडियो में भी इसी तरह का दावा किया गया है। लेकिन क्या सच में डायबिटिक मरीजों को केले के सेवन से घबराने की जरूरत है? इसका सच जानने के लिए सजग फैक्ट चेक टीम ने डॉक्टर से संपर्क किया। एक्सपर्ट ने दावे को लेकर क्या–क्या कहा, ये जानने से पहले आपको दिखाते हैं वो वीडियो जिसमें केले से जुड़ा क्लेम किया गया है।

वीडियो में क्या है?

यूट्यूब के एक वीडियो में डायबिटीज के मरीजों के लिए केले को खतरनाक बताया जा रहा है। इसमें एक बुजुर्ग व्यक्ति डायबिटीज मरीजों को केला न खाने की सलाह दे रहे हैं। वह कह रहे हैं कि अगर आप डायबिटीज से पीड़ित हैं तो केला आपके लिए हानिकारक है। इससे ब्लड शुगर लेवल बढ़ सकता है।

एक्सपर्ट ने क्या कहा

डायबिटीज होने पर केला न खाने की सलाह देने वाले इस वीडियो पर मुंबई में खार स्थित पीडी हिंदुजा हॉस्पिटल और मेडिकल रिसर्च सेंटर की चीफ डायटीशियन रुतु धोड़पकर ने बात की है। उनका कहना है कि केले में रेजिस्टेंट स्टार्च होता है जो ब्लड शुगर लेवल को नहीं बढ़ाता है। हालांकि पीले पके हुए केले में ज्यादा शुगर होती है, जिससे ब्लड शुगर लेवल बढ़ सकता है।

केले की कितनी मात्रा का करें सेवन

डायबिटीज के मरीज छोटे आकार का एक केला हफ्ते में दो या तीन बार खा सकते हैं। मीडियम आकर के केले में 24 ग्राम कार्बोहाइड्रेट और 14 ग्राम प्राकृतिक शुगर होती है। केला एक हेल्दी फ्रूट है जिसमें कार्ब्स और शुगर काफी होते हैं। इसको खाने के बाद ब्लड शुगर का स्तर बढ़ जाता है। लेकिन बॉडी की बनाई इंसुलिन और शुगर ऑटोमेटिकली कंट्रोल हो जाती हैं। पर डायबिटीज के मरीज के शरीर में पर्याप्त इंसुलिन नहीं होती है और सेल बॉडी में बनी इंसुलिन के प्रतिरोधी का काम करते हैं। इससे शुगर लेवल बढ़ जाता है।

क्यों न कहें पका हुआ केला

केला कितना पका है इस आधार पर इसको ग्लाइसेमिक इंडेक्स 31–62 के स्केल पर मापा जाता है। मीडियम केले में मौजूद 3 ग्राम फाइबर को बॉडी पचा लेती है। इसकी शुगर बॉडी में इस्तेमाल हो जाती है। इससे ब्लड शुगर बढ़ नहीं पाती है। इसके फाइबर से मेटाबॉलिक हेल्थ और ब्लड शुगर मैनेजमेंट बेहतर होता है। पूरे पके हुए केले में ग्लाइसेमिक इंडेक्स ज्यादा होता है। इससे शुगर बढ़ सकती है इसलिए इसके सेवन से बचना चाहिए।

अमेरिकन डायबेटिक एसोसिएशन क्या कहता है

एसोसिएशन की माने तो पोर्शन साइज शुगर कंट्रोल में जरूरी रोल निभाता है, जिससे ग्लासेमिक लोड प्रभावित होता है। केले में पोटैशियम होता है तो जिन डायबिटीज मरीजों में पोटैशियम की कमी है वो इसका सेवन कर सकते हैं। हालांकि रेनेल डायबिटीज है तो केला बिल्कुल न खाएं क्योंकि ज्यादा पोटैशियम की वजह से किडनी पर दबाव पड़ सकता है।

कैसे खाएं केला

डायबिटीज के मरीजों को अपनी डाइट से केला पूरी तरह हटाने की जरूरत नहीं होती है। इनको मॉडरेशन में और प्रोटीन या हेल्दी फैट के साथ खाएं। ब्लड शुगर लेवल को देखते रहें। इस तरह से डायबिटीज के मरीज बैलेंस्ड डाइट में केले का सेवन कर सकते हैं। 'फैक्ट चेक' में वीडियो में किए गए दावे को अधूरा पाया गया है। दरअसल डायबिटीज के मरीज केले को खास तरीके और मात्रा में ही खा सकते हैं। जबकि थोड़ी सी गलती से उनको नुकसान भी हो सकता है।

सर्द हवाओं की वजह से सूखकर पपड़ी हो गए हैं होंठ, तो अपनाएं ये टिप्स

सर्दी का मौसम शुरू हो चुका है और ठंडी हवाओं ने लोगों ने कंपकंपाना शुरू कर दिया है। ठंड के दिनों में अक्सर कई तरह की समस्याएं लोगों को अपना शिकार बना लेती हैं। सर्दी–जुकाम और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के अलावा इस मौसम में अक्सर त्वचा और बालों से जुड़ी समस्याएं भी लोगों के लिए परेशानी की वजह बन जाती हैं। सर्दियों में अक्सर त्वचा को खास देखभाल की जरूरत होती है, क्योंकि सर्द हवाएं स्किन से नमी चुरा लेती है। स्किन के अलावा इन दिनों होंठों को भी खास देखभाल की जरूरत होती है। सर्दियां आते ही ठंड के दिनों अक्सर होंठों के फटने की समस्या होने लगती है। फटे होंठ न सिर्फ आपकी खूबसूरती खराब करते हैं, बल्कि इसकी वजह से काफी दर्द भी सहना पड़ता है। ऐसे में स्किन और सेहत के साथ–साथ इस मौसम में होंठों का ख्याल रखना भी बेहद जरूरी होता है। आज इस आर्टिकल में हम आपको ऐसे ही कुछ लिप केयर टिप्स के बारे में बनाने वाले हैं, जो आपके सूखे और फटे होंठों को नेचुरली सॉफ्ट बना देगा। अक्सर होंठ फटने या सूखने पर लोग बार–बार इस पर जीभ लगाते हैं या होंठों पर जमी पपड़ी निकालने के लिए इसे काटते हैं, लेकिन ऐसा करने से आपको होंठों को नुकसान होता है। दरअसल, लार में ऐसे एंजाइम होते हैं, जो होंठों की ड्राईनेस और बढ़ा देते हैं। साथ ही इससे ज्यादा दर्द और ब्लीडिंग भी हो सकती है।

कमजोर हड्डियों में भी जान फूंक देगा चौलाई के साग, इसके ढेरों फायदे

ठंड के दिनों में हरी पत्तेदार सब्जियों की भरमार होती है। ये सब्जियां हमारी सेहत को ढेरों फायदे भी पहुंचाती हैं। चौलाई का साग भी उन्हीं में से एक है। अक्सर लोग इसे मामूली समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन इनमें विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स का खजाना होता है। कुल मिलाकर ये पोषण का भंडार है। इसे अमरनाथ साग भी कहते हैं। यह साग न केवल हमारे हड्डियों और बालों के लिए जरूरी होता है, बल्कि पूरे सेहत का भी ख्याल रखता है। चौलाई के साग में भरपूर मात्रा में विटामिन्स, मिनरल्स, प्रोटीन, आयरन और एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। जिन्हें वजन कम करना होता है, वे चौलाई के साग को अपनी डाइट का हिस्सा बनाते हैं। क्योंकि इसमें कैलोरी का मात्रा बेहद कम होती है। ये पेट को भी लंबे समय तक भरा रखते हैं।

शरीफा खाने पर आंखों से धोना पड़ सकता है हाथ

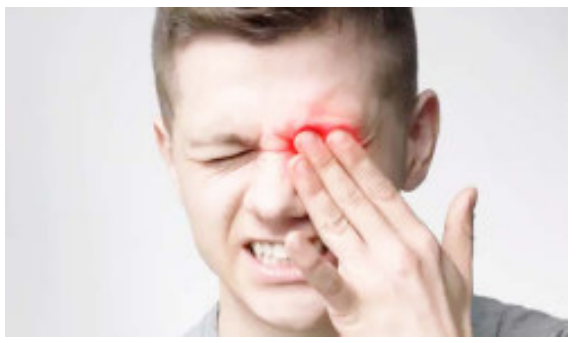

फल खाने से पूरे शरीर को पोषण मिलता है। खट्टे फल, सेब और शरीफा आंखों के लिए बेस्ट फ्रूट हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अगर शरीफा को गलत तरीके से खा लिया तो आपकी आंखों की रोशनी भी जा सकती है। शोधकर्ताओं ने पाया कि इस फल का एक हिस्सा अंधेपन का कारण बन सकता है। शरीफा एक हरे रंग का फल होता है, जो अंदर से काफी मीठा और क्रीमी जैसा होता है। इसे कई जगह सीताफल के नाम से भी जानते हैं। इसमें कई महत्वपूर्ण विटामिन और मिनरल होते हैं। इसके फायदे जानने से पहले इसे गलत तरीके से खाने के नुकसान और सही तरीके के बारे में जानते हैं। इस नुकसान के बारे में नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इंफॉर्मेशन पर मौजूद शोध ने बताया है। जिसे बेंग्लुरु स्थित नारायण नेत्रालय सुपरस्पेशियलिटी आई हॉस्पिटल एंड पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ ऑप्थेल्मोलॉजी के शोधकर्ताओं ने किया है। अगर शरीफा को सही तरीके से नहीं खाया तो यह आंखों के लिए टॉक्सिक हो सकता है। शोधकर्ताओं ने माना कि शरीफा के बीज मनुष्यों की आंख के कॉर्निया के लिए बहुत ज्यादा टॉक्सिक है। इसकी वजह से सेकंडरी इंफेक्शन का हाई खतरा भी होता है। जिसे जल्द से जल्द ठीक इलाज की जरूरत होती है, वरना अंधेपन का कारण बन सकता है। शरीफा खाने का सही तरीका उसमें से बीज निकालकर खाना है। कई बार लोग उसे सीधा खाने लगते हैं, जिसके कारण बीज के शरीर में जाने का खतरा बन जाता है।

जसप्रीत बुमराह ने मैच में 4 विकेट

बुमराह के अलावा मोहम्मद सिराज ने भी टीम इंडिया के लिए चार विकेट हासिल किए। हालांकि, सिराज काफी महंगे साबित रहे। सिराज ने 24.3 ओवर में 98 रन खर्च डाले। इसके अलावा नीतिश कुमार रेड्डी और रविचंद्रन अश्विन ने भी टीम इंडिया के लिए एक–एक विकेट अपने नाम किया।

जसप्रीत बुमराह को दूसरे टेस्ट मैच में लगी चोट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन टीम इंडिया के लिए एक बुरा संकेत सामने आ गया है। मैच के दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया के नाक में दम करने वाले भारत के धाकड़ तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह दर्ज से कराहते हुए नजर आए। अपने स्पेल के 20वें ओवर में बुमराह को ग्रोइन में भयानक दर्द हुआ और वह मैदान पर लेट गए। इस कारण डॉक्टरों की टीम को आना पड़ गया। हालांकि, कुछ देर बाद ही बुमराह फिर से गेंदबाजी के लिए तैयार हो गए टीम इंडिया के लिए मोर्चा संभालने का काम किया, लेकिन रोहित शर्मा के लिए यह जरूर एक चिंता का विषय है कि अगर बुमराह की चोट गंभीर निकली तो टीम इंडिया को बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में बचे हुए बाकी के तीन मैचों में बड़ा नुकसान हो सकता है। एडिलेड टेस्ट मैच में चोटिल होने के बावजूद जसप्रीत बुमराह ने टीम इंडिया के लिए अपना पूरा जोर लगाया और चार विकेट हासिल किए। बुमराह ने टीम इंडिया के लिए पारी में 23 ओवर किए, जिसमें उन्होंने 61 रन खर्च दिए। बुमराह ने अपनी गेंदबाजी में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को रन बनाने के लिए पूरी तरह से संघर्ष कराया। यही कारण है कि उन्हें ग्रोइन का दर्द उभर आया।

ट्रैविस हेड ने भारत के खिलाफ फिर ठोका शतक

क्रिकेट

मूछमैन के सामने संघर्ष करते नजर आए भारतीय बॉलर्स

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

एडिलेड। भारतीय टीम के गेंदबाजी युनिट को अगर किसी बल्लेबाज ने पिछले कुछ सालों में परेशान किया है तो वह ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक बल्लेबाज ट्रैविस हेड हैं। हेड ने भारत के खिलाफ हर अहम मौके पर बड़ी पारी खेली है। उन्होंने 2023 में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में शतक ठोका। फिर वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में सेंचुरी लगाई। अब एडिलेड में खेले जा रहे पिंक बॉल टेस्ट मैच में भी हेड ने शतक लगा दिया।

उन्होंने 111 गेंदों पर अपनी सेंचुरी पूरी की। हेड को भारतीय गेंदबाजों को खेलने में मजा आता है। भारतीय बॉलर्स इस मूछमैन के सामने संघर्ष करते और बेबस नजर आते हैं। हेड ने अपनी पारी में 17 चौके और 4 छक्के के बूते 140 रन बना लिए हैं। हेड का स्ट्राइक रेट पारी के दौरान

99 का रहा।

भारत के खिलाफ ट्रैविस हेड ने अब तक 12 टेस्ट की 21 पारियों में 49 की औसत से 936 रन ठोके हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 2 शतक और 4 अर्धशतक देखने को मिले हैं। भारत के खिलाफ खेले गए 9 वनडे में 1 शतक और 1 अर्धशतक के बूते 345 रन बनाए हैं। वहीं 8 टी20 मैचों में टीम इंडिया के खिलाफ 255 रन बनाए। टी20 में हेड ने भारत के खिलाफ 1 हाफ सेंचुरी लगाई है।

भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। ऐसे में इंडिया पहली पारी में सिर्फ 180 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। मिचेल स्टार्क ने 6 विकेट झटके। इसके जवाब में अब तक ट्रैविस हेड के शतक के बूते ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 300 रन के पार पहुंच गया है।

जब हेड बेहद आक्रामक हो गए थे। ऐसे में सिराज ने अपनी एक यॉर्कर गेंद पर उन्हें भौचक्का कर दिया। हेड गेंद को समझ नहीं पाए और बोल्ड हो गए। इसके बाद सिराज काफी गुस्से में दिखे और हेड को देख उन्हें बाहर जाने का इशारा करते हुए कुछ शब्द कहे। सिराज को देख लग रहा था कि मानो वह हेड को जमकर गालियां दे रहे हैं। हेड ने भी सिराज के रिएक्शन को देखा और जाते हुए अपने मुंह से भी गुस्से में कुछ शब्द निकाले। दोनों की इस जुबानी जंग को देख पूरे स्टेडियम में हंगामा मच गया और सिराज को ऑस्ट्रेलियाई दर्शक हूट करने लगे। हेड जब वापस पवेलियन जा रहे थे तब सभी ने खड़े होकर उनके लिए तालियां बजाईं।

विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जमकर की स्लेजिंग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

- विराट कोहली ने नेथन मैक्सवीनी को किया स्लेज

नई दिल्ली। टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में बेशक बड़ा स्कोर नहीं कर सके, लेकिन फिर भी वह मैच में पूरी तरह से बने रहे और मेजबान टीम को परेशान किया। कोहली का बल्ला अगर फेल होता है तो इससे उनके बोल–चाल पर फर्क नहीं पड़ता। वह मैदान पर लगातार बोलते रहते हैं और विरोधी टीम के बल्लेबाजों को परेशान करते रहते हैं। ऐसा ही कुछ उन्होंने पहले दिन शुक्रवार को मार्नस लाबुशेन के साथ किया।

एडिलेड टेस्ट के पहले दिन टीम इंडिया कोई बड़ा स्कोर नहीं कर पाई। मेहमान टीम महज 180 रनों पर आउट हो गई। टीम के लिए सबसे ज्यादा 42 रन नीतीश रेड्डी ने बनाए। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम बल्लेबाजी करने आई। जसप्रीत बुमराह ने उस्मान ख्वाजा को पवेलियन भेज भारत को शुरुआती सफलता दिला दी, लेकिन इसके बाद लाबुशेन और दूसरे सलामी बल्लेबाज नाथन मैक्स्वानी ने पैर जमाए और दिन का खेल खत्म होने तक दूसरा विकेट नहीं गिरने दिया।

लाबुशेन ने पैर जमाने की कोशिश की, लेकिन इसके लिए उन्हें संघर्ष करना पड़ा। लाबुशेन को बुमराह ने खासा परेशान किया और इसी का फायदा कोहली ने उठाते हुए ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज को परेशान किया। बुमराह के ओवर के दौरान आखिरी गेंद पर लाबुशेन बुरी तरह बीट हो गए। उन्हें समझ नहीं आया था कि गेंद कहां से निकल गई। इसी दौरान कोहली स्टंप के पास से निकले और लाबुशेन के सामने कहते हुए गए, उसे गेंद समझ नहीं आ रही जैस।

इसके बाद भी कोहली ने लाबुशेन से कुछ कहा जो स्टंप माइक पर कैद नहीं हुआ, लेकिन कोहली उनसे कुछ कहते हुए हंस रहे थे। लाबुशेन को बुमराह ने तो परेशान किया ही साथ ही मोहम्मद सिराज ने भी उनके लिए परेशानी पैदा की।

टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने इस मैच में टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। भारतीय टीम के बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सके। मिचेल स्टार्क की कहर बरपाती गेंदों ने उनको विकेट पर टिकने नहीं दिया।

कोहली बीच मैच में अंपायर से लड़ने पहुंचे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एडिलेड में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में एक बार फिर अंपायर के फैसले पर विवाद होता दिखा। ऑस्ट्रेलियाई पारी के दौरान टीम इंडिया ने एक रिव्यू लिया जो असफल रहा, लेकिन ये भारत को रास नहीं आया और विराट कोहली मैदानी अंपायर के पास गुस्से में बात करने पहुंच गए। मामला है मिचेल मार्श के विकेट का।

58वां ओवर फेंक रहे भारत के रविचंद्रन अश्विन की एक गेंद उनके पैड पर लगी जिस पर टीम इंडिया ने अपील की। मैदानी अंपायर ने इसे नकार दिया। भारत ने रिव्यू लिया जो असफल रहा। इस पर फिर विवाद हो गया। रिप्ले में जब देखा गया तो पता चला कि गेंद पैड और बैट दोनों पर लगी है, लेकिन ये साफ नहीं हो रहा था कि गेंद पहले कहां लगी है। तीसरे अंपायर ने भी माना कि इस बात के कोई पुख्ता सबूत नहीं है गेंद पहले बैट पर लगी या पैड पर इसलिए मैदानी अंपायर का फैसला बरकरार रहेगा।

न्यूज डायरी

बल्लेबाजी के मूड में नहीं थे मिचेल मार्श बड़ी पारी खेलने में रहे नाकाम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एडिलेड में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट का आज दूसरा दिन है। कंगारू टीम पहली पारी में बल्लेबाजी कर रही है। दूसरे सेशन में ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही। सेशन की शुरुआत में ही रविचंद्रन अश्विन ने मिचेल मार्श को ऋषभ पंत के हाथों कैच आउट कराया। हालांकि, मार्श नॉट आउट थे, लेकिन फिर भी वह पवेलियन लौट गए। ऐसे में उनके विकेट की लगातार चर्चा हो रही है। 64वें ओवर की चौथी गेंद अश्विन ने बाहर की ओर की। इस गेंद का पर्याप्त उछाल मिली। मार्श ने इसे डिफेंड करने का प्रयास किया, लेकिन वह चूक गए। मार्श को लगा कि गेंद ने बल्ले का किनारा लिया है। विकेटकीपर पंत ने विकेट के पीछे कैच लेने के बाद देर से अपील की। दूसरी ओर अश्विन ने अपील करने में ज्यादा रुचि नहीं दिखाई। हालांकि, मार्श पवेलियन के लिए चलते नजर आए। इसके बाद भी अंपायर रिचर्ड इलिंगवर्थ ने उंगली उठा दी। खास बात यह है कि स्निको पर कोई हलचल नहीं हुई। रिप्ले में साफ नजर आया क गेंद बल्ले पर लगी ही नहीं थे। दोनों के बीच दूरी थी। मार्श का बल्ला उनके पैड से टराया था। हालांकि, मार्श की गलती के चलते भारतीय टीम को 5वीं सफलता मिल गई। मार्श ने 26 गेंदों का सामना किया और 9 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 1 चौका भी लगाया।

जो रूट ने तोड़ा राहुल द्रविड़ का रिकॉर्ड, सचिन के 100 क्लब में मारी एंट्री

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम और इंग्लैंड क्रिकेट टीम के बीच वेलिंगटन में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन का खेल खत्म हो गया है। दूसरे दिन स्टंप तक इंग्लैंड ने दूसरी पारी में 5 विकेट खोकर 378 रन बना लिए हैं। पहली पारी के आधार पर इंग्लैंड के पास 533 रन की बढ़त है। जो रूट 106 गेंदों पर 73 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए हैं। वह धीरे–धीरे अपने 36वें टेस्ट शतक की ओर बढ़ रहे हैं। मुकाबले में 50 प्लस रन बनाते ही जो रूट ने राहुल द्रविड़ का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया। वह सचिन तेंदुलकर के 100 क्लब में शामिल हो गए हैं। दरअसल, रूट अब तक टेस्ट क्रिकेट में 100 बार 50 से ज्यादा स्कोर बना चुके हैं। इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज ने टेस्ट में अब तक 65 अर्धशतक और 35 शतक लगाए हैं। उनसे पहले राहुल द्रविड़ ने टेस्ट में 99 बार 50 प्लस स्कोर बनाया था। टेस्ट में सबसे ज्यादा बार 50 स्कोर बनाने का रिकॉर्ड क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर के नाम है। उन्होंने अपने टेस्ट करियर में 119 बार 50 से ज्यादा स्कोर बनाया था। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर संयुक्त रूप से जैक कैलिस और रिकी पोंटिंग हैं। दोनों दिग्गजों ने ही टेस्ट में 103–103 बार यह कारनामा किया था। न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बीच वेलिंगटन में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन का खेल खत्म हो गया है। स्टंप तक इंग्लैंड ने दूसरी पारी में 5 विकेट के नुकसान पर 378 रन बना लिए हैं। पहली पारी के आधार पर इंग्लैंड के पास 533 रन की बढ़त है।

एंजेलो मैथ्यूज ने जो किया वो सनथ जयसूर्या भी नहीं कर पाए

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। सभी की नजरें इस समय भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एडिलेड में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच पर हैं, लेकिन इसी बीच श्रीलंका के एक बल्लेबाज ने कुछ ऐसा कर दिया जिस पर उनके देश को नाज होगा। ये खिलाड़ी कोई और नहीं बल्कि टीम के सबसे अनुभवी बल्लेबाज एंजेलो मैथ्यूज हैं। मैथ्यूज ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ ये काम किया है। मैथ्यूज ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन ये काम किया। मैथ्यूज दूसरे दिन 40 रन बनाकर नाबाद रहे। इस दौरान उन्होंने टेस्ट मैच में वो काम कर दिया जो अभी तक सिर्फ कुमार संगाकारा और महेला जयवर्धने ही कर पाए हैं। मैथ्यूज टेस्ट क्रिकेट में 8000 रन पूरा करने वाले श्रीलंका के सिर्फ तीसरे बल्लेबाज हैं। उनसे पहले कुमार संगाकार और जयवर्धने ने ये काम किया है। मैथ्यूज को यहां तक पहुंचने के लिए 34 रनों की जरूरत थी जो उन्होंने आसानी से बना लिए। इस दिग्गज खिलाड़ी ने साल 2009 में डेब्यू किया था और तब से तमाम उतार–चढ़ाव, चोटों से जूझते हुए उन्होंने ये रिकॉर्ड कायम किया है। संगाकारा ने 134 टेस्ट मैचों में 12,400 रन बनाए है। वहीं जयवर्धने ने 149 मैचों में 11, 814 रन बनाए हैं।

पेज थ्री देहरादून

हमारा दून

देहरादून, रविवार, 8 दिसंबर 2024

सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी को ध्वज देते हुए सैनिक कल्याण विभाग।

संक्षिप्त समाचार

सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर डीएम को जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने भेट किया ध्वज

संवाददाता देहरादून। सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर शनिवार को जिलाधिकारी सविन बंसल को जिला सैनिक कल्याण अधिकारी द्वारा सशस्त्र सेवा झंडा भेंट किया। जिलाधिकारी ने कहा कि हमारे सैनिक अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए देश की रक्षा के लिए असाधारण त्याग करते हैं। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उनकी भलाई के लिए योगदान दें। सशस्त्र सेना झंडा दिवस इसी कड़ी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने सभी नागरिकों, संगठनों और शिक्षण संस्थानों से अपील की है कि वे इस महान उद्देश्य के लिए उदारतापूर्वक दान दें।

सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी को सैनिक कल्याण विभाग ने दिया ध्वज

संवाददाता देहरादून। सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर शनिवार को सैनिक कल्याण विभाग के निदेशक ब्रिगेडियर अमृत लाल, उप निदेशक कर्नल एमएस जोधा और अन्य अधिकारिगणों ने प्रदेश के सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी को फ्लैग लगाया। इस दौरान सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने सभी से 'सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष' में सैन्य परिवारों के कल्याण एवं उत्थान के लिए अपना योगदान देने की भी अपील की।

शिक्षा और स्वास्थ्य के मुद्दे पर कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

संवाददाता देहरादून। शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को बदहाल बताते हुए कांग्रेस ने शनिवार शाम को तहसील चौक पर प्रदर्शन किया। शुक्रवार को कांग्रेस नेताओं ने इसे लेकर यमुना कॉलोनी में शिक्षा एवं स्वास्थ्य मंत्री के आवास के बाहर धरना दिया था। जहां कांग्रेस नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया था। शनिवार को कांग्रेस नेता तहसील चौक पर जुटे और यहां उन्होंने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने के साथ ही प्रदर्शन किया। पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा ने कहा कि राज्य की शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह चौपट हो चुकी है। शिक्षकों की भारी कमी है साथ ही गुणात्मक शिक्षा में भी सुधार नहीं हो रहा है।

सैनिकों की समस्याओं को दूर करने को ठोस व्यवस्थाएं बनाएं: राज्यपाल

संवाददाता देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने प्रदेश के सभी जिलों में पूर्व सैनिक, वीरांगनाओं, वीरता पुरस्कार प्राप्त सैनिकों एवं उनके परिजनों की समस्याओं को दूर करने के लिए एक ठोस व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए। शनिवार को 'सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर मुलाकात को आए सैनिक कल्याण विभाग के अधिकारियों को राज्यपाल ने यह निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड के लिए यह दिवस बेहद महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री ने होमगार्ड्स स्थापना दिवस के अवसर पर की चार घोषाणाएं

होमगार्ड्स स्थापना दिवस

■ होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा विभाग की स्मारिका 2024 और विभागीय कैलेंडर 2025 का मुख्यमंत्री ने किया विमोचन

■60 वर्ष की अधिवर्षता आयु पूर्ण करने वाले प्रत्येक होमगार्ड्स के अनुग्रह राशि में 50 हजार रुपए की बढ़ोत्तरी की जाएगी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को ननूरखेड़ा, देहरादून में होमगार्ड्स स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में रैतिक परेड का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर होमगार्ड्स जवानों के मेधावी बच्चों को छात्रवृत्ति की धनराशि के चेक भी प्रदान किये। होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा विभाग की स्मारिका 2024 और विभागीय कलेण्डर 2025 का भी मुख्यमंत्री ने किया विमोचन। इस अवसर पर उन्होंने घोषणा की कि 9 हजार फीट से अधिक ऊंचाई पर ड्यूटीरत होमगार्ड्स स्वयंसेवकों को पुलिस कार्मिकों एवं एसडीआरएफ की भांति प्रति जवान को 200 रू. प्रतिदिन अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि दी जायेगी।

एसडीआरएफ जवानों के साथ प्रशिक्षित होमगार्ड्स को तैनाती होने पर 100 रुपए प्रति जवान को

प्रतिदिन प्रोत्साहन राशि अनुमन्य की जाएगी। होमगार्ड्स विभाग के राजपत्रित एवं अराजपत्रित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रत्येक 3 वर्ष में दिये जाने वाले वर्दी भत्ता को प्रतिवर्ष किया जाएगा। 60 वर्ष की अधिवर्षता आयु पूर्ण करने वाले प्रत्येक होमगार्ड्स को होमगार्ड्स कल्याण कोष से दी जाने वाली अनुग्रह राशि में 50 हजार रुपए की बढ़ोत्तरी की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने सभी जवानों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राष्ट्र सेवा का अद्वितीय उदाहरण अगर कहीं स्पष्ट देखने को मिलता है तो वह जवानों के मध्य आकर देखने को मिलता है। होमगार्ड्स संगठन राज्य में सामाजिक सुरक्षा और व्यवस्था नियंत्रण के लिए सक्रिय रूप से काम करता है। हर स्थिति में अपने दायित्वों को पूरा करने के लिए तत्पर रहते हैं। होमगार्ड्स जवान कानून–व्यवस्था को बनाए रखने, यातायात नियंत्रित करने, चारधाम यात्रा, कुम्भ मेला एवं कांवड़ यात्रा जैसे धार्मिक आयोजनों में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्राकृतिक आपदाओं के समय भी आवश्यकता पड़ने पर हमेशा तैयार रहते हैं। हमारे ये जवान "जहां कम वहां हम" की भावना से कार्य करते हैं।

इस अवसर पर विधायक उमेश शर्मा काऊ, खजान दास, पूर्व मेयर सुनील उनियाल गामा, अनिता ममगाईं, सचिव शैलेश बगोली, डीजीपी दीपम सेठ, कमांडेंट जनरल होमगार्ड पीवीके प्रसाद, मुख्य राज्य सूचना आयुक्त विवेक शर्मा एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सरकार ने जवानों के लिए अनेक निर्णय : सीएम

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे इन जवानों के हौसले और समर्पण को सम्मान देते हुए राज्य सरकार ने उनके कल्याण और संगठन के उत्थान के लिए अनेक निर्णय लिए हैं। प्रेमनगर, देहरादून में एक अत्याधुनिक इंडोर फायरिंग रेंज का निर्माण किया जा रहा है, जो हमारे होमगार्ड्स को शस्त्र प्रशिक्षण में लाभ पहुंचाएगी। होमगार्ड्स के लिए सेना के जवानों की तर्ज पर सीएसडी कैंटीन की सुविधा भी प्रारंभ की है। होमगार्ड्स जवानों को 12 आकस्मिक अवकाश देने का निर्णय भी हमारी सरकार द्वारा ही लिया गया है। महिला होमगार्ड्स को प्रसूति अवकाश प्रदान करने का ऐतिहासिक निर्णय भी हमारी सरकार ने ही लिया। प्रदेश के 9 स्थानों पर कंपनी कार्यालय–ट्रांजिट कैंप और इमरजेंसी सर्च एवं रेस्क्यू सेंटर स्थापित करने की योजना बनाई गई है। 13 करोड़ से अधिक की वित्तीय स्वीकृति से इन केंद्रों का निर्माण हो रहा है, ये केंद्र उत्तराखंड को आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में मजबूत करेंगे।

आयुर्वेद के ज्ञान के साथ ही मिलेगा बेहतरीन उपचार

आरोग्य एक्सपो

■वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस एवं आरोग्य एक्सपो में 12 तरह की ओपीडी , तैनात रहेंगे विशेषज्ञ चिकित्सक

संवाददाता

देहरादून। आयुर्वेद के परंपरागत ज्ञान को समझने–जानने के अलावा इसके उपचार की सुविधा भी एक ही जगह पर मिले, तो इससे बेहतर और क्या हो सकता है। वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस एवं आरोग्य एक्सपो–2024 में ऐसा ही मौका उपलब्ध हो रहा है। विश्व स्तरीय इस कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ आयुर्वेद के हर एक पहलू पर बात करेंगे, तो विशेषज्ञ चिकित्सक डेलीगेट्स के साथ ही सामान्य लोगों को भी इसका उपचार उपलब्ध कराएंगे। इसके लिए 12 तरह की ओपीडी पूरे समय एक्टिव रहेंगी। हर एक ओपीडी में दो–दो विशेषज्ञ चिकित्सक तैनात रहेंगे, जिनसे परामर्श भी मिलेगा और उपचार भी।

परेड ग्राउंड देहरादून में यह कार्यक्रम 12 दिसंबर से शुरू होने जा रहा है, जो कि 15 दिसंबर तक चलेगा। आयुर्वेद का विश्व स्तरीय यह कार्यक्रम पहली बार उत्तराखंड में हो रहा है। वर्ष 2002 से इस तरह के कार्यक्रम की शुरुआत हुई है। पिछले वर्ष गोवा को इस कार्यक्रम की मेजबानी मिली थी। उत्तराखंड इस आयोजन के लिए उत्साहित है और तैयारियों पर पूरा जोर है। वैसे भी, आयुर्वेद के लिहाज से उत्तराखंड की समृद्ध विरासत रही है। इसलिए यहां से इस कार्यक्रम के संदेश देश–दुनिया में प्रभावी ढंग से जाने तय माने जा रहे है।

विश्व आयुर्वेद कांग्रेस और आरोग्य एक्सपो–2024 परंपरागत आयुर्वेद चिकित्सा को समझने और जानने के लिए एक बेहतरीन अवसर है। देवभूमि में आयुर्वेद के विभिन्न पहलुओं पर विचार मंथन निश्चित तौर पर सभी के लिए उपयोगी साबित होगा। इसके अलावा, निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों के अनुभव का लाभ भी लोगों को मिलेगा।

–पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री

अपर सचिव आयुष डॉ विजय कुमार जोगदंडे के अनुसार कार्यक्रम स्थल पर 12 ओपीडी सक्रिय रहेंगी। इसके लिए तैयारियां चल रही हैं। हर ओपीडी में दो–दो विशेषज्ञ चिकित्सकों की ड्यूटी लगाई जा रही है। मकसद ये ही है कि कार्यक्रम का हिस्सा बनने वालों को आयुर्वेद का ज्ञान भी मिले, साथ ही उनके रोगों का निदान भी परंपरागत चिकित्सा से संभव हो पाए।

मुख्यमंत्री ने रैन बसेरों में पर्याप्त सुविधाओं के निर्देश दिए

संवाददाता देहरादून। प्रदेश में मौसम विभाग की ओर से बारिश के साथ ही ठंड बढ़ने की चेतावनी दिए जाने को देखते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी जिलाधिकारियों को रैनबसेरों में पर्याप्त सुविधा जुटाने के साथ ही जरूरतमंद लोगों को रजाई, कंबल वितरित करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री धामी ने शनिवार को सभी जिलाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि तहसील स्तर पर ठंड से बचाव के लिए पर्याप्त इंतजाम कर लिए जाएं। जरूरत के अनुसार रैन बसेरे शुरू करने के साथ ही रैन बसेरा में आवासहीन लोगों ओर परिवारों को शिफ्ट किया जाए, खासकर बच्चों, महिलाओं और बीमार लोगों को तत्काल रैन बसेरा की सुविधा दी जाए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि कंबल, रजाई भी वितरित किए जाएं, इसके अलावा प्रमुख स्थानों पर अलाव का भी इंतजाम किया जाए। जिला प्रशासन अपने स्तर से सावधानी बरतते हुए, जरूरतमंद लोगों को हर तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराएं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून
से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालय:
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।